Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 304 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 12 सितंबर 2025 www.samaydarshan.in

पहला कॉलम

कानपुर में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

कानपुर। कानपुर में गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है, जिसके कारण सदर तहसील के निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। प्रशासन की तरफ से ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। नदी का जलस्तर बढ़ने से कई गांवों में पानी आ गया है, इससे ग्रामीणों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित ठिकानों पर जाना पड़ा है। लोग अपने साथ अपने पशुओं को भी लेकर सुरक्षित जगहों की ओर जा रहे हैं। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, वित्त एवं राजस्व, विवेक चतुर्वेदी ने कहा, पिछले कुछ दिनों में गंगा नदी का जल स्तर बढ़ गया है। यहां से, हम इसे सुखलागंज में गेज का उपयोग करके मापते हैं, जहां हमारा चेतावनी स्तर 113 मीटर है। वर्तमान में, गंगा का स्तर चेतावनी स्तर से ऊपर है। उन्होंने कहा कि परिणामस्वरूप, हमारे मुख्य क्षेत्र के कुछ गांव प्रभावित हुए हैं, और इनमें से कुछ गांवों में पानी घुस गया है।

पूरे देश में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण अक्टूबर से शुरू होगा

नईदिल्ली। बिहार की तरह पूरे देश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अक्टूबर से शुरू हो सकता है। चुनाव आयोग ने बुधवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के साथ की बैठक में इस प्रक्रिया की तैयारियों पर चर्चा की है। बताया जा रहा है कि इस प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई है। जल्द ही इस संबंध में आदेश जारी किया जा सकता है। चुनाव आयोग ने सभी सीईओ से 30 सितंबर से पहले संशोधन से जुड़ी सभी जरूरी कार्यवाही को पूरा करने को कहा है, ताकि इसकी घोषणा की जा सके। बताया जा रहा है कि बिहार के चुनाव समाप्त होने से पहले ही एसआईआर की प्रक्रिया पूरे देश में शुरू हो सकती है। सीईओ के द्वारा प्रगति रिपोर्ट सौंपने के बाद चुनाव आयोग एसआईआर का ऐलान कर देगा। इसमें मतदाता सूची अपडेट किए जाने का काम शुरू होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा के सामने कैब चालक ने की अश्लील हरकत, गिरफ्तार

नईदिल्ली। दिल्ली में एक 48 वर्षीय कैब चालक को दिल्ली विश्वविद्यालय की एक छात्रा से छेड़खानी करने और उसके सामने हस्तमैथुन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बेंगलुरु की रहने वाली छात्रा का आरोप है कि उसने कॉलेज जाने के लिए कैब बुक कराई थी। कार में बैठने के बाद से ही चालक ने बदतमीजी शुरू कर दी। छात्रा की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कैब जब्त कर ली है। रिपोर्ट के मुताबिक, 22 वर्षीय छात्रा कश्मीरी गेट स्थित अंबेडकर विश्वविद्यालय से परास्नातक कर रही है। वह मॉडल टाउन इलाके में किराए के मकान में रहती है। सोमवार को कॉलेज जाने में देर हुई तो उसने ऐप से कैब बुक कराई। कैब को आने में समय लग रहा था, जिसके बाद उसके चालक शंकर ने फोन कर बुकिंग रद्द न करने का आग्रह किया। छात्रा ने बताया कि चालक का व्यवहार सामान्य था।

भारत-मॉरीशस द्विपक्षीय वार्ता

दोनों देश सिर्फ पार्टनर नहीं एक परिवार हैं-पीएम मोदी

वाराणसी। एजेंसी

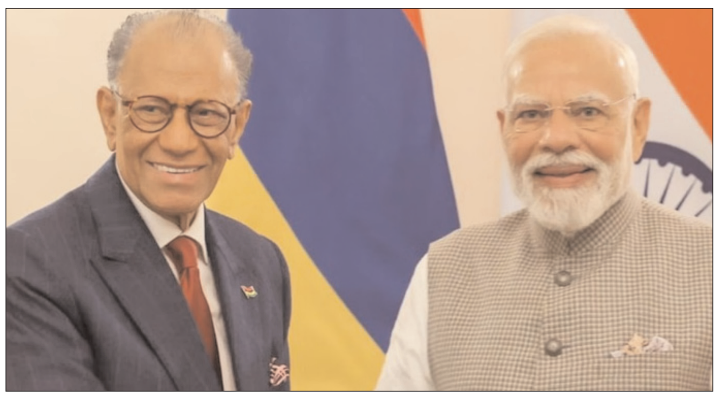

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरूवार को मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ व्यापक वार्ता के बाद कहा कि भारत और मॉरीशस स्थानीय मुद्राओं में द्विपक्षीय व्यापार को सक्षम बनाने की दिशा में काम करेंगे। मोदी ने मीडिया को दिए बयान में दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत और मॉरीशस दो देश हैं, लेकिन उनके सपने और नियति एक हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक मुक्त, खुला, सुरक्षित, स्थिर और समृद्ध हिंद महासागर भारत और मॉरीशस दोनों की साझा प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ''इस संदर्भ में, भारत मॉरीशस के विशेष आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा और समुद्री क्षमता को मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत हमेशा हिंद महासागर क्षेत्र में सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले और व्यापक सुरक्षा प्रदाता के रूप में खड़ा रहा है। मोदी ने चागोस द्वीप की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपे जाने के लिए हुए समझौते पर रामगुलाम और मॉरीशस के लोगों को बधाई दी और इसे द्वीपीय राष्ट्र की संप्रभुता की 'ऐतिहासिक जीत' बताया। उन्होंने कहा, ''भारत ने हमेशा से उपनिवेशवाद के उन्मूलन और मॉरीशस की संप्रभुता की पूर्ण मान्यता का समर्थन किया है। और इस मामले में, भारत मॉरीशस के साथ मजबूती से खड़ा है। मई में, ब्रिटेन ने एक ऐतिहासिक समझौते के तहत डिएगो गार्सिया के उष्णकटिबंधीय प्रवालद्वीप सहित चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने का फैसला किया। ब्रिटेन 50 से अधिक वर्षों के बाद इन द्वीपों पर अपना अधिकार छोड़ रहा है।इस समझौते के तहत, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण डिएगो गार्सिया की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी ब्रिटेन की होगी। इससे पहले उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया।

काशी भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक :पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे अपने संसदीय क्षेत्र में आपका स्वागत करने का अवसर मिल रहा है। प्राचीन काल से काशी भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक रही है। हमारी संस्कृति और संस्कार सदियों पहले भारत से मॉरीशस पहुंचे और वहां की जीवन-पद्धति में रच-बस गए। काशी में मां गंगा की अविरल धारा की तरह, भारतीय संस्कृति का अविरल प्रवाह मॉरीशस को समृद्ध करता रहा है और आज, जब हम मॉरीशस के साथियों का काशी में स्वागत कर रहे हैं, तो यह सिर्फएक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक मिलन है इसलिए मैं गर्व से कहता हूं कि भारत और मॉरीशस सिर्फपार्टनर नहीं बल्कि एक परिवार है...। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज हमने द्विपक्षीय सहयोग की सभी पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार साझा किए। मैं मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम को

राउज एवेन्यू कोर्ट का बड़ा फैसला

सांसद सोनिया गांधी पर एफआईआर दर्ज करने की मांग खारिज की

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी को गुरुवार को दिल्ली की एक अदालत से राहत मिली, जिसने उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनका नाम भारतीय नागरिकता प्राप्त करने से तीन साल पहले मतदाता सूची में शामिल था। यह याचिका विकास त्रिपाठी नामक शख्स ने दायर की थी, जिसमें सोनिया गांधी पर फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर मतदाता सूची में नाम शामिल करवाने का आरोप लगाया गया था। शिकायत के अनुसार, मूल रूप से इतालवी नागरिक सोनिया गांधी 30 अप्रैल, 1983 को नागरिकता अधिनियम की धारा 5 के तहत भारतीय नागरिक बन गईं। हालाँकि, उनका नाम 1981-82 में ही नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल हो गया था, जिससे उस समय चुनाव आयोग को सौंपे गए दस्तावेज़ों पर सवाल उठे। अधिवक्ता नारंग ने बताया कि सोनिया गांधी का नाम, उनके दिवंगत देवर संजय गांधी के साथ, 1982 में मतदाता सूची से हटा दिया गया था। उन्होंने तर्क दिया कि इस तरह का विलोपन दर्शाता है कि मतदाता सूची में उनका पूर्व प्रवेश अनियमित था, क्योंकि केवल भारतीय नागरिक ही मतदाता के रूप में नामांकित होने के पात्र हैं। दस्तावेज़ों का हवाला देते हुए, नारंग ने कहा कि नागरिकता प्रदान किए जाने से पहले मतदाता सूची में उनका नाम दर्ज कराने के लिए जाली या झूठे दस्तावेज़ों का इस्तेमाल किया गया हो सकता है। उन्होंने अदालत को बताया, एक सार्वजनिक प्राधिकरण को गुमराह किया गया है, और धोखाधड़ी हुई प्रतीत होती है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि दिल्ली पुलिस और वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद, कोई कार्रवाई नहीं हुई।

रायबरेली में फिर बोले राहुल गांधी

हाइड्रोजन बम आएगा सारा का सारा साफ हो जाएगा-राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली में अपनी पंक्ति वोट चोर गद्दी छोड़ दोहराई। उन्होंने आगे कहा कि हम आपके सामने ज़बरदस्त और विस्फोटक सबूत पेश करने जा रहे हैं। पूरे देश में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा गूंज रहा है। यह सच है कि वोट चुराकर सरकारें बनाई जा रही हैं। हम गारंटी देते हैं कि हम आपको सबूत ज़रूर देंगे। जो भाजपा वाले भड़क रहे हैं, उनसे मैं कहना चाहता हूँ - भड़किए मत, जब हाइड्रोजन बम गिरेगा, तो सब साफ़हो जाएगा। राहुल गांधी ने 7 अगस्त को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए और उस पर बड़े पैमाने पर मतदाता धोखाधड़ी में सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया, जबकि कांग्रेस के पास इस कथित चोरी के खुले और स्पष्ट सबूत हैं। गांधी ने कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा में मतदान पर कांग्रेस के शोध को प्रस्तुत किया। उन्होंने 1,00,250 वोटों की वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग पर तीखा हमला किया और कहा कि चुनाव आयोग और भाजपा के बीच मिलीभगत हुई, जिसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना तीसरा कार्यकाल मिला। उन्होंने चुनाव आयोग की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि चुनाव नियोजित हैं।

कांग्रेस सांसद का आरोप, चुनाव आयोग ने एक करोड़ फर्जी वोट बढ़ाए

राहुल गांधी बुधवार शाम ऊंचाहार पहुंचे। वहां बूथ अध्यक्षों से मिलकर लोकसभा चुनाव में भारी मतों के अंतर से जीत दिलाने के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान उनके निशाने पर चुनाव आयोग रहा। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट चोरी कर चुनाव जीती है। लोकसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने देश में एक करोड़ फर्जी वोट बढ़ाए हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के बल पर ही कांग्रेस आगे बढ़ रही है।

एनसीआर में थमी बारिश, अब बढ़ेगा पारा, तेज धूप और उमस करेगी परेशान

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में लगातार कई दिनों से हो रही हल्की बारिश और बादलों का असर अब धीरे-धीरे खत्म होता नजर आ रहा है। भारतीय मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दिनों में बारिश की संभावना बेहद कम है और मौसम शुष्क रहेगा। आसमान में हल्के बादल जरूर छाए रहेंगे, लेकिन लोगों को बारिश से राहत नहीं मिलने वाली है। इसके विपरीत अब तापमान में इजाफा होगा और उमस के साथ-साथ तेज धूप लोगों को परेशान करेगी।

दंतेवाड़ा में आईईडी ब्लास्ट...

दंतेवाड़ा जिले में प्रेशर बम की चपेट में आने से सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान घायल..

दंतेवाड़ा. छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में प्रेशर बम में विस्फोट होने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक अधिकारी समेत दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए. पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के मालेवाही थाना क्षेत्र के अंतर्गत सातधार पुल के करीब प्रेशर बम की चपेट में आने से सीआरपीएफ के 195वीं वाहिनी के निरीक्षक दीवान सिंह गुर्जर और आरक्षक आलम मुनेश घायल हो गए हैं. अधिकारियों ने बताया कि आज मालेवाही थाना क्षेत्र में सीआरपीएफ के 195वीं वाहिनी के दल को सातधार और मालेवाही गांव की ओर गश्त पर रवाना किया गया था. उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान सुबह लगभग साढ़े दस बजे सातधार पुल से आगे माओवादियों द्वारा लगाए गए प्रेशर बम की चपेट में आने से गुर्जर और मुनेश घायल हो गए हैं. अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद घायल जवानों को घटनास्थल से सुरक्षित निकालकर बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए उच्चतर चिकित्सा केंद्र रवाना किया गया है. उन्होंने बताया कि घायल जवानों की स्थिति सामान्य है तथा खतरे से बाहर हैं. राज्य के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया है. इन क्षेत्रों में नक्सली सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए सड़कों और पगडंडियों में बारूदी सुरंग और प्रेशर बम लगा देते हैं. राज्य के सुकमा जिले में नौ जून को नक्सल विरोधी अभियान के दौरान बारूदी सुरंग विस्फोट की घटना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरेपूंजे की मृत्यु हो गई थी.गरियाबंद में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में कम से कम आठ नक्सलियों को किया ढेर

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ मुंबई में बाबुलनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

पहलगाम में 26 की मौत,अब पाक से क्रिकेट

ये बेशर्मी,देशद्रोह है भाजपा जवाब दे....

नई दिल्ली। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे सांसद संजय राउत ने घोषणा की कि शिवसेना (यूबीटी) महिला विंग रविवार को महाराष्ट्र में उन माताओं के लिए सिंदूर रक्षा आंदोलन करेगी, जिनका आक्रोश पहलगाम हमले से अभी तक शांत नहीं हुआ है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे, जिसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में आतंकवादी ढाँचे को निशाना बनाकर सटीक हमले किए। भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाया।

घर में जगह-जगह मिले खून के छींटे सनसनी

खौफनाक कांड...! एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या.....

रायगढ़ । संवाददाता

रायगढ़ जिले के खरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम ठुसेकेला में एक दिल दहला देने वाला हत्याकांड सामने आया है। यहां राजीव नगर मोहल्ले में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। पति, पत्नी और उनके दो मासूम बच्चों को कुल्हाड़ी से मारकर बाड़ी में दफ्ना दिया गया। इस वारदात ने पूरे इलाके को सन्न कर दिया है। मृतकों की पहचान बुधराम उरांव, उनकी पत्नी सहोदरा उरांव, 12 वर्षीय बेटा अरविंद और 3 वर्षीय बेटी शिवांगी के रूप में हुई है। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, यह चारों बीते दो-तीन दिनों से गांव में नजर नहीं आ रहे थे। आज सुबह घर से आ रही बदबू और बंद दरवाजे ने लोगों में शक पैदा किया। जब ग्रामीणों ने घर के पीछे बाड़ी से झांककर देखा तो अंदर खून के धब्बे और खुदी हुई जमीन नज़र आई। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। खबर मिलते ही पुलिस ने पूरे घर और बाड़ी को सील कर दिया। रायगढ़ से पहुंची फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम और डॉग स्क्वॉड ने छानबीन शुरू की। बाड़ी में खाद के लिए बने गोबर के गड्ढे से चारों शव बरामद किए गए। इस भयानक दृश्य को देखकर ग्रामीणों में मातम छा गया। घटना के समय मृतक बुधराम उरांव की बड़ी बेटी शिवानी उरांव (15 वर्ष) गांव में मौजूद थी और सुरक्षित है। उसने बताया कि वह अलग रहकर पढ़ाई करती है। फिलहाल वह पुलिस की निगरानी में है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को यह मामला आपसी रंजिश का लग रहा है। अधिकारियों का मानना है कि वारदात की योजना और क्रूरता को देखते हुए इसमें स्थानीय लोगों की संलिप्तता हो सकती है। एक संदिग्ध पर पुलिस की नज़र है और पूछताछ जारी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रायगढ़ के पुलिस अधीक्षक स्वयं मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने पर हत्याकांड के पीछे की साजिश और अपराधियों की पहचान स्पष्ट हो जाएगी। गांव में दहशत और मातम का माहौल है। ग्रामीण अब तक यह समझ नहीं पा रहे हैं कि पूरे परिवार की निर्मम हत्या किसने और क्यों की। लोग घटना की सच्चाई जानने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मां वृंदा देवी (डिंडा कपाट) धाम ग्राम पंचायत आगेसरा में शारदीय कुंवार नवरात्रि की तैयारी जोरों पर साथ भव्य गर्भ गृह आसन निर्माण

पाटन। मां वृंदा देवी डिंडा कपाट धाम ग्राम पंचायत आगेसरा यह मन्दिर भूमिफोड़ 12 वी से 14 वी शताब्दी के मध्य का है मां वृंदा देवीमंदिर में ज्योत प्रज्वलन की तैयारी जोरों पर है, अपनी मनोकामना कोटा हेतु माता के दरबार में गांव एवं आसपास के भक्तों द्वारा जोत जलाई जाती है 22 सितंबर 2025 से प्रारंभ होने वाली नवरात्र में 27 सितंबर पंचमी एवं 30 सितंबर महाअष्टमी के दिन हवन पूजन एवं विशाल भंडारा का कार्यक्रम माता के दरबार में आयोजित है, भक्तों के द्वारा दान राशि एकत्र कर भव्य आसन का निर्माण मां वृंदा देवी के गर्भ गृह में निर्माण किया जा रहा है जो नवरात्र तक पूर्ण हो जाएगी। यहां तेल ज्योत जलाने वाले की राशि 901 और घी ज्योत जलाने वाले की राशि 1601 है।

एबीवीपी ने झांकियों का किया पारंपरिक अंदाज में स्वागत

राजनांदगांव। गणेश चतुर्थी के अवसर पर राजनांदगांव में भव्य झांकियों का आयोजन धूमधाम से किया गया। शहर को सजाया गया श्रद्धा, संस्कृति और भक्ति के रंगों सेए वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने परंपरागत अंदाज में झांकियों का स्वागत कर माहौल को और भी उल्लासमय बना दिया।

इस बार की झांकियों में धार्मिक और सामाजिक विषयों का सुंदर समावेश देखा गया। बाबा श्री खाटू श्याम, रामायण, महाभारत, यमलोक, ऑपरेशन सिंदूर और कल्कि अवतार जैसे विषयों पर आधारित झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। स्थानीय कलाकारों की कल्पनाशीलता और मेहनत ने इन झांकियों को जीवंत कर दिया। रात भर श्रद्धालु झांकियों का दर्शन करते नजर आए।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक परिधान धारण कर ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और भक्ति गीतों के साथ झांकियों का स्वागत किया। चारों ओर गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

एबीवीपी नगर मंत्री अक्षत श्रीवास्तव ने कहा, राजनांदगांव की झांकियां हमारी सांस्कृतिक विरासत की पहचान हैं। इस वर्ष की झांकियों में आस्था के साथ-साथ सामाजिक चेतना का संदेश भी समाहित था। ऑपरेशन सिंदूर जैसी झांकियों ने समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास किया है।

नगर सह मंत्री निकिता श्रीरंगे ने कहा, झांकियां केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि कला, संस्कृति और नवाचार का संगम हैं। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी इन आयोजनों को और भी खास बना देती है।

नगर सह मंत्री भूपेंद्र पाल ने कहा, हर वर्ष की तरह इस बार भी झांकियों में कुछ नया देखने को मिला। धार्मिक प्रसंगों के साथ सामाजिक मुद्दों की प्रस्तुति प्रेरणादायक रही।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़, प्रशासन की चुस्त व्यवस्था और कलाकारों की अथक मेहनत ने इस आयोजन को सफल और शांतिपूर्ण बनाया। झांकियों की भव्यता और कलात्मकता ने न केवल शहरवासियों को अभिभूत किया, बल्कि प्रदेशभर के लोगों का ध्यान भी आकर्षित किया।

इस अवसर पर जीत प्रजापति, सेविस्कर प्रदेश सहसंयोजी सुश्री चंदना श्रीवास्तव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य धनंजय पांडे, लक्ष्य जैन, अभिनव सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। राजनांदगांव की गणेश झांकियां अब प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी एक विशिष्ट पहचान बना रही हैं।

डीडीएस स्कूल बिर्रा में कामर्स विषय नहीं होने के बाद भी दो शिक्षक-शिक्षिका सालों से जमे

कामर्स के शिक्षक पढ़ा रहे राजनितिक और अर्थशास्त्र युक्तियुक्तकरण पर उठने लगे सवाल

जांजगीर-चांपा जीवन,साहू,//समय दर्शॅन// जिले के डीडीएस स्कुल बिर्रा का मामला है, जहां अभी तक कामर्स विषय नहीं है इसके बाद भी दो शिक्षक-शिक्षिका सालों से जमे हुए हैं,और कामर्स विषय के शिक्षक-शिक्षिका बच्चों को राजनितिक और अर्थशास्त्र पढा रहे,कथित साठगांठ कर युक्तियुक्तकरण के नियमों को अनदेखा किया गया।

शिक्षा विभाग में नियमों की अनदेखी और मनमानी पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। सरकार द्वारा बनाए गए युक्तियुक्तकरण नियमावली को धता बताते हुए विभागीय अधिकारियों पर शिक्षक हित में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने के आरोप लग है,नियमों को ताक पर रखने के कारण कि बम्हनीडीह के तत्कालीन बीईओ एम डी दीवान को निलंबित कर दिया गया था।

ताजा मामला बम्हनीडीह ब्लॉक के डीडीएस स्कुल बिर्रा से सामने आया है,जहां कामर्स विषय ही नहीं है और दो शिक्षक-शिक्षिका सरस्वती कुम्भकार (व्याख्याता), सुशील कुमार नेताम(व्याख्याता) अतिशेष के रुप में भी कार्यरत हैं। कथित साठगांठ के चलते दोनों को युक्तियुक्तकरण के नियमों से दूर रखकर लाभ पहुंचाया गया।

कामर्स के शिक्षक पढ़ा रहे राजनितिक और अर्थशास्त्र - वही बीईओ से सांठगांठ कर युक्तियुक्तकरण के नियमों को ठेंगा दिखाकर कामर्स के शिक्षक-शिक्षिका सरस्वती कुम्भकार (व्याख्याता), सुशील कुमार नेताम(व्याख्याता) बच्चों को राजनितिक और अर्थशास्त्र कि पढ़ाई करा रहे हैं जिससे शिक्षा के गुणवत्ता पर भी सवाल उठने लगे हैं।

नियमों की धज्जियां,क्या बीईओ पर होगी कार्यवाही- युक्तियुक्तकरण नीति के तहत अतिरिक्त शिक्षकों को कम स्टाफवाले स्कूलों में भेजा जाना है,लेकिन सवाल यह उठता है कि डीडीएस स्कुल बिर्रा में जब कार्मस विषय ही नहीं हैं तो दोनों शिक्षक-शिक्षिका को रिलीव कहे नहीं किया गया क्युं नहीं युक्तियुक्तकरण के तहत अन्य स्कूलों में ट्रांसफर किया गया ,क्योंकि जांजगीर-चांपा जिले के अन्य स्कूलों में कामर्स विषय के शिक्षकों कि कमी हैं,वहां इन्हें ट्रान्सफर किया जा सकता था,लेकिन प्राचार्य,बीईओ कि मिलीभगत से जानकारी छुपाई गयें।युक्तियुक्तकरण के नियमों का धज्जियाँ उड़ाया गया।वही मामले में प्रभारी बीईओ रत्ना थवाईत से संपर्क करने कि कोशिश कि गई लेकिन फोन रिसीव नहीं किया गया। तो अब आगे देखना होगा कि क्या उक्त प्राचार्य और बीईओ पर कार्रवाई होती है कि नहीं।

कामर्स के दो शिक्षक-शिक्षिका सरस्वती कुम्भकार (व्याख्याता), सुशील कुमार नेताम(व्याख्याता)पदस्थ हैं, जो वर्तमान में राजनितिक और अर्थशास्त्र विषय पढ़ा रहे हैं

सुनील कुमार कुर्रे (प्राचार्य डीडीएस स्कुल बिर्रा)

उक्त शिक्षकों कि नोटशीट तैयार हो गया है काउंसलिंग करके जीडी आफिस भेजा जायेगा वहां से आगे कि कार्यवाही होगी

अश्वनी भारद्वाज (डीईओ जांजगीर-चांपा)

अनुशासन ही सफलता का मूल मंत्र है- परम पूज्य प्रभु आनंद मुरारी जी

नवागढ़ समय,दर्शॅन//: पं. जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय एवं राधाकृष्ण शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में परम पूज्य आनंद मुरारी प्रभु जी के पावन सान्निध्य में ꢀतनाव प्रबंधन एवं कैरियर काउंसलिंगꢀ विषय पर प्रेरक प्रवचन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री परम पूज्य आनंद मूर्ति जी, महाविद्यालय के संचालक श्री विनोद अग्रवाल (जे एल एन कॉलेज), संचालिका डॉ अन्नपूर्णा अग्रवाल (आर के एस एस), प्राचार्य डॉ राजेश शर्मा (जे एल एन कॉलेज), प्राचार्य डॉ रित्विक तिवारी (आर के एस एस) के द्वारा मां सरस्वती जी के तैलचित्र पर पुष्प व श्रीफल अर्पित कर किया गया। प्रभु जी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को जीवन में तनावमुक्त रहने के उपाय बताए तथा कहा कि सफलता केवल भौतिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि मानसिक शांति और आत्मसंतोष से मिलती है। उन्होंने कैरियर चयन में रुचि और क्षमता के अनुरूप निर्णय लेने की सलाह दी।

प्रभु जी ने यह भी कहा कि जीवन को सार्थक बनाने के लिए आध्यात्मिकता की ओर बढ़ना अति आवश्यक है। नियमित साधना, नैतिक मूल्यों का पालन तथा ईश्वर में आस्था ही वास्तविक सफलता का आधार हैं। उनके प्रवचन ने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, आत्मअनुशासन और सेवा भाव अपनाने की प्रेरणा दी। अंत में उप प्राचार्य सुश्री नेहा मिश्रा (जे एल एन कॉलेज) ने प्रभु जी का आभार प्रकट किया और विद्यार्थियों को इस पवित्र संदेश को जीवन में उतारने का आग्रह किया।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापकगण सुश्री मालती बंजारे, सुश्री यशोदा शांते, सुश्री बबीता मधुकर, श्री प्रज्ञानंद कश्यप, श्रीमती लक्ष्मी, सुश्री कविता, श्री अनुभव साहू, श्री सतीश दास महंत, श्री अखेंद्र जांगड़े, श्री आलोक चंद्रा, श्री दीपक चंद्रा, श्री जोहित कश्यप, श्री शिवरात्रि साहू, श्री आरथो , श्री कमल प्रसाद , श्री सुदर्शन साहू, श्री विकास विश्वकर्मा एवं महाविद्यालय के छात्र छात्राओं बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

खेल से ही शारीरिक मानसिक विकास संभव - बघेल

प्रांतीय खो खो एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

चांपा,समय दर्शॅन// तिलभांडेस्वर बाल कल्याण समिति चांपा द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांपा में विद्या भारती की योजना अनुसार सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ के संयोजक में 10 सितंबर से 12 सितंबर तक प्रांतीय वालीबाल एवं खो-खो खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि सुमित बघेल अनुविभागीय अधिकारी अकलतरा बलौदा विशिष्ट अतिथि अंबेश जांगड़े अध्यक्ष भाजपा जिला जांजगीर चांपा एवं पूर्व विधायक पामगढ़ तथा अध्यक्षता प्रदीप नामदेव अध्यक्ष नगर पालिका परिषद चांपा ने किया ।इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष हनुमान प्रसाद देवांगन प्रतियोगिता संयोजक डॉक्टर शांति कुमार सोनी एवं विद्यालय के प्राचार्य अश्वनी कुमार कश्यप मंचासीन थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं भारत माता के तेलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। अतिथि परिचय अश्वनी कुमार कश्यप द्वारा एवं खेल प्रतिवेदन दिवाकर स्वर्णकार प्रांतीय खेलकूद प्रमुख द्वारा प्रस्तुत किया गया

इस अवसर पर मुख्य अतिथि बघेल ने कहा कि शारीरिक मानसिक विकास के लिए खेल जीवन का अनिवार्य अंग होता है। खेल में तो हार जीत लगी रहती है लेकिन सभी बच्चों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। विशिष्ट अतिथि जांगड़े ने कहा कि शिशु मंदिर में पढ़ाई के साथ-साथ संस्कार एवं अनुशासन भी मिलता है ।जो बच्चे जीवन पर्यंत अनुशासन से चलेगा वही भविष्य में सफलता के मार्ग की ओर अग्रसर होगा। कार्यक्रम अध्यक्ष नामदेव ने कहा की खेल जीवन के लिए आवश्यक है। बच्चे ईमानदारी औरअनुशासन से खेलते हुए स्वयं नगर तथा अपने प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं ।

इस अवसर पर रवींद्र कुमार शराफ़ जिला खेल प्रतिनिधि, प्रदीप कुमार स्वर्णकार ,कमल लाल देवांगन, नंदकुमार देवांगन, गोपीचंद बरेठ ,डॉक्टर बृजमोहनजागृति ,पवन पाठक, संतोष थवाईत, सलीम मेमन, संतोष सोनी, प्रधानाचार्य रवि शंकर गबेल, राजेंद्र सिंह ठाकुर के साथ-साथ भैया बहन आचार्य भगिनी गणमान्य नागरिक उपस्थित है थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ललिता तिवारी एवं आभार प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार पांडे द्वारा किया गया।

रजत महोत्सव पर जिला के पेंशनरों हेतु मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित, मनाया गया नेत्रदान पखवाड़ा

जिला के पेंशनर अधिकारी कर्मचारी ने स्वास्थ्य शिविर का लिया लाभ

बेमेतरा/- बेमेतरा जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा रजत महोत्सव तहत बेमेतरा जिला के पेंशनरों के लिए स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया साथ में विभाग द्वारा नेत्रदान पखवाड़ा भी मनाया गया ,जिसमें बेमेतरा जिला के पेंशनर अधिकारी कर्मचारी अधिक संख्या में उपस्थित रहे,जिनका स्वास्थ्य जांच के साथ नेत्र सुरक्षा, नेत्र जांच, नेत्रदान करने संबंधित जानकारी प्रदान किया गया। उक्त पेंशनर समाज के लिए मेगा स्वास्थ्य शिविर कलेक्टर रणबीर शर्मा के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बी एल राज, बीएमओ खण्डसरा डॉ शरद कोहसड़े के दिशा निर्देश पर गांधी भवन बेसिक स्कूल मैदान में 10 सितंबर को आयोजित किया गया, इस पेंशनर समाज हेतु आयोजित स्वास्थ्य शिविर में शामिल हुए पेंशनर अधिकारी कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें 65 पेंशनरों का नेत्र जांच में 7 का मोतियाबिंद पाया गया,12 का उच्च रक्तचाप, 8 पेंशनर का रक्त शर्करा, और अन्य में सामान्य सर्दी खांसी,बुखार,कमर पीठ में दर्द आदि होना पाया गया जिन्हें उचित चिकित्सकीय सलाह देते हुए दवाई प्रदाय किया गया, इस पेंशनर समाज हेतु आयोजित स्वास्थ्य शिविर में सीएमएचओ ,डी एच ओ, एवं बीएमओ स्वयं उपस्थित रहकर पेंशनरों से उनके स्वास्थ्य को लेकर जानकारी ली और उनके स्वस्थ जीवन व्यतीत करने की बात कही, नोडल अधिकारी डॉ बी एल राज ने पेंशनर एवं वृद्धजनों को नेत्रदान हेतु जानकारी उपलब्ध कराते हुए उन्हें नेत्रदान,करने को उनसे आग्रह किया गया। डॉ राज द्वारा बताया गया कि नेत्रदान कौन-कौन कर सकता है। नेत्रदान कैसे कर सकते हैं, नेत्रदान का लाभ कैसे ले सकते हैं और नेत्रदान का लाभ किसको मिलता है। उक्त स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य विभाग जिला चिकित्सालय बेमेतरा से डॉ अभिताभ साहू,दीपांजलि डेनियल नर्सिंग ऑफिसर,विद्या सागर नेत्र सहायक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खण्डसरा के बीएमओ खण्डसरा डॉ शरद कोहसड़े डॉ. विजय कुमार देवांगन चिकित्सा अधिकारी,योगेन्द्र भार्गव नेत्र सहायक अधिकारी,सुनिल पात्रे ग्रा. स्वा. संयो. (पु.) मनोज कुमार राजपुत ग्रा. स्वा. संयो. (पु.) थानुराम साहू ने स्वास्थ्य शिविर में सेवा प्रदान किए, इस शिविर में बेमेतरा जिला पेंशनर समाज के अध्यक्ष सहित जिला के पेंशनर अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहकर स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया।

ग्राम पौनी में अवैध नल कनेक्शन पर बड़ी कार्रवाई

जिला प्रशासन की तत्परता से ग्रामीणों को मिलेगा स्वच्छ जल अवैध कनेक्शन हटाए गए, जिम्मेदारों को चेतावनी

मुंगेली(समय दर्शन) मुंगेली जिले के ग्राम पंचायत पौनी में नल-जल प्रदाय योजना की मुख्य पाइप लाइन से निकाले गए अवैध नल कनेक्शनों पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने त्वरित और सख्त कार्रवाई करते हुए सभी अनाधिकृत कनेक्शन हटवा दिए। इस कार्रवाई के बाद अब गांव के आम परिवारों तक नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल पहुँचने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

शिकायत से कार्रवाई तक घटनाक्रम की विस्तृत पृष्ठभूमि- ग्राम पंचायत पौनी द्वारा विभाग को ज्ञापन सौंपकर शिकायत की गई थी कि ग्राम में नल-जल योजना की टंकी भरने वाली मेन पाइप लाइन से कुछ ग्रामीणों ने अवैध कनेक्शन निकाल लिए हैं। लगभग 14 ग्रामीण परिवार इस अनाधिकृत कनेक्शन के माध्यम से अपने घरों तक पानी ले जा रहे थे। इससे स्थिति यह हो गई थी कि टंकी पूरी तरह से नहीं भर पा रही थी और गांव के अन्य परिवारों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुँच रहा था। परिणामस्वरूप कई घर स्वच्छ पेयजल की सुविधा से वंचित रह गए थे।

पानी की कमी की समस्या लंबे समय से ग्रामीणों के बीच असंतोष का कारण बनी हुई थी। बार-बार शिकायतों के बाद ग्राम पंचायत ने औपचारिक रूप से विभाग के सामने मामला उठाया और तत्काल कार्रवाई की मांग की।

प्रशासन का हस्तक्षेप और कार्रवाई- शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप किया। मुंगेली एसडीओ आशीष मिश्रा, उप अभियंता प्रतीक पाटनी, पटवारी और पुलिस बल की टीम ने मौके पर पहुँचकर पूरे मामले की जांच की। जांच के दौरान यह पुष्टि हुई कि वास्तव में मुख्य पाइप लाइन से अवैध कनेक्शन निकाले गए हैं। प्रशासन ने मौके पर ही सभी अवैध कनेक्शन काट दिए और भविष्य में दोबारा ऐसी हरकत न करने की कड़ी चेतावनी दी।

इस कार्रवाई के दौरान ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और प्रशासन को धन्यवाद दिया कि अब उन्हें नियमित और स्वच्छ पेयजल मिलेगा।

पूर्व में भी हुई थी कार्रवाई- यह कोई पहला मामला नहीं है जब विभाग ने अवैध जल उपभोग पर सख्ती दिखाई हो। इससे पहले ग्राम पंचायत धरमपुरा में भी कुछ लोगों द्वारा टुल्लू पंप लगाकर अवैध तरीके से पानी खींचने की शिकायत पर विभाग ने पंप जप्त की कार्रवाई की थी। लगातार हो रही इस प्रकार की कार्यवाहियों से यह संदेश स्पष्ट होता है कि सरकार और प्रशासन इस महत्वपूर्ण योजना से कोई समझौता करने को तैयार नहीं है।

नल-जल प्रदाय योजना का महत्व- राज्य शासन की नल-जल प्रदाय योजना ग्रामीण जीवन के लिए एक वरदान है। इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल पहुँचाना है। जल जीवन मिशन और अन्य योजनाओं के अंतर्गत सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर बजट स्वीकृत किया है।जल ही जीवन है—इस कहावत के अनुरूप यह योजना ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता और जीवन स्तर सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। लेकिन जब कुछ लोग स्वार्थवश अवैध तरीके से कनेक्शन निकालते हैं, तो इससे न केवल अन्य परिवार वंचित रह जाते हैं बल्कि पूरी योजना की सफलता पर भी प्रश्नचिह्न लग जाता है।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार ग्रामीणों की प्रतिक्रिया- गांव के बुजुर्गों और महिलाओं ने इस कार्रवाई का स्वागत किया। उनका कहना है कि कई दिनों से उन्हें पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा था, जिसके कारण घर-गृहस्थी के कामकाज से लेकर पशुओं की देखभाल तक में दिक्कतें आ रही थीं। अब जब अवैध कनेक्शन हट गए हैं तो उम्मीद है कि पानी की समस्या काफी हद तक कम होगी।

एक महिला ने कहा हमारे घर में तो कई दिन आधा-आधा बाल्टी पानी में ही गुज़ारा करना पड़ता था। बच्चों को नहाने तक का पानी नहीं मिलता था। अब राहत मिलेगी।सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार मानना है। कि ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप लाइन से अवैध कनेक्शन निकालने की प्रवृत्ति एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। यह न केवल जल वितरण को बाधित करता है बल्कि पाइप लाइन की तकनीकी क्षमता पर भी असर डालता है। कई बार इन अवैध कनेक्शनों से पाइप लाइन में रिसाव होने लगता है और पूरा तंत्र कमजोर हो जाता है।

प्रशासन का संदेश ꢀ अवैध कार्य पर सख्ती जारी रहेगी- अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नल-जल प्रदाय योजना राज्य शासन की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है। इसे सफलतापूर्वक लागू करना प्राथमिकता है। पाइप लाइन से अवैध कनेक्शन निकालना दंडनीय अपराध है और भविष्य में भी इस प्रकार की अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भविष्य की चुनौतियाँ और समाधान- निगरानी व्यवस्था पाइप लाइनों और टंकियों पर नियमित निरीक्षण किया जाए ताकि समय रहते अवैध कनेक्शन का पता लगाया जा सके।जागरूकता अभियान ग्रामीणों को समझाया जाए कि अवैध कनेक्शन से पूरे गांव की जल आपूर्ति प्रभावित होती है।दंडात्मक प्रावधान जिन लोगों पर बार-बार ऐसी हरकत करते पाए जाएँ, उनके खिलाफ आर्थिक दंड और कानूनी कार्रवाई की जाए।तकनीकी सुधार टंकियों और पाइप लाइनों में सेंसर आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया जाए ताकि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ तुरंत पकड़ी जा सके।

मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण का बजट 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ रुपये किया गया

आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी - मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज कोरबा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक आयोजित हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के पुनर्गठन के बाद आज की यह प्रथम बैठक एक नए संकल्प और दृष्टिकोण के साथ आयोजित हो रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय के कल्याण और समग्र विकास के लिए सरकार सभी ठोस कदम उठा रही है। विकास कार्यों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मध्य क्षेत्र अंतर्गत निवासरत अनुसूचित जनजाति समुदाय के बेहतर विकास के लिए प्राधिकरण की बजट राशि 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ रुपये करने की घोषणा की।

जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने प्राधिकरणों का पुनर्गठन– मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने बस्तर, सरगुजा और मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरणों के साथ–साथ अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण तथा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरणों का गठन कर समावेशी विकास की दिशा में मजबूत कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इन प्राधिकरणों का उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और जनसुविधाओं को हर गाँव, हर परिवार तक पहुँचाना है। पूर्व सरकार की लचर कार्यप्रणाली के कारण प्राधिकरणों के कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी रही। निगरानी के अभाव में कई योजनाएँ धरातल पर नहीं उतर पाईं। हमारी सरकार ने इस स्थिति को बदलने के लिए प्राधिकरणों का पुनर्गठन किया है।

प्राधिकरण में जनप्रतिनिधित्व को और व्यापक बनाने के लिए सदस्यों की संख्या में वृद्धि की गई है। अब प्राधिकरण क्षेत्र के राज्यसभा और लोकसभा सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष और अन्य महत्वपूर्ण जनप्रतिनिधि इसके सदस्य बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, आदिवासी विकास के क्षेत्र में कार्यरत दो समाजसेवियों और विशेषज्ञों को प्राधिकरण का सदस्य मनोनीत करने का निर्णय लिया गया है, ताकि उनके अनुभव और विशेषज्ञता का लाभ विकास योजनाओं को मिल सके।

पीएम जनमन योजना ने खोलीं नई संभावनाएँ– मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में आदिवासी समुदायों के लिए विशेष योजनाएँ लागू करने पर सरकार विशेष जोर दे रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में शुरू की गई धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और पीएम जनमन योजना ने छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएँ खोली हैं। इन योजनाओं के तहत आवास, सड़क, बिजली, पानी और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे बुनियादी ढाँचों का विकास तेजी से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मध्य क्षेत्र में आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए स्व–सहायता समूहों को और मजबूत करने पर बल दिया जा रहा है। इन समूहों के माध्यम से महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण, ऋण सुविधाएँ और बाजार से जोड़ने की पहल की जाएगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। मध्य क्षेत्र के युवाओं के लिए तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार और स्व–रोजगार के लिए तैयार किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति समृद्ध है। हमें जनजातीय संस्कृति एवं परंपरा को संरक्षित रखने की दिशा में कार्य करना होगा। विशेष पिछड़ी जनजातियों के बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि की व्यवस्थाओं में प्राधिकरण मुख्य भूमिका निभाएगा। उन्होंने आदिवासी समाज के लोगों को शराब छोड़ने के लिए प्रेरित करने हेतु पुनर्वास केंद्र, प्रारंभिक शिक्षा, खेल और विशेष पिछड़ी जनजातियों के किसानों के खेतों में सिंचाई हेतु स्थायी पंप कनेक्शन उपलब्ध कराने के सुझाव दिए।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल श्री डेका ने पासपोर्ट कार्यालय की राजभाषा पत्रिका महतारी का विमोचन किया

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज राजभवन में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय रायपुर की राजभाषा पत्रिका महतारी–2025 का विमोचन किया। कार्यालय में हिन्दी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा कार्मिकों में हिन्दी के प्रति स्नेह, लगाव व रूचि पैदा करने के लिए यह पत्रिका प्रकाशित की गई है। इस अवसर पर क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी श्री गौरव गर्ग एवं कार्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

छग राज्य बाल कल्याण परिषद की आमसभा 11 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद की वार्षिक आमसभा रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल जी अध्यक्षता में 11 सितंबर को दोपहर 3 बजे से वीमतारा स्वदेशी भवन के पास मधुपिले चौक शान्ति नगर में आयोजित होगी। बाल कल्याण परिषद के संयुक्त सचिव राजेंद्र कुमार निगम ने बताया कि बैठक में वर्ष 2024–25 का वार्षिक प्रतिवेदन, पूर्व वित्तीय वर्ष का ऑडिट रिपोर्ट, आगामी वर्ष हेतु अनुमानित बजट का अनुमोदन तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट की नियुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

बालगृहों और पुनर्वास केंद्रों की गतिविधियों की समीक्षा– सभा में परिषद द्वारा संचालित संस्थानों जैसे बालगृह बालिका, बालगृह बालक, खुला आश्रय (बालक), माना कैंप रायपुर, बालगृह बालिका, कोंडागांव, वाणी वाचन श्रवण एवं बहु प्रशिक्षण पुनर्वास केंद्र और दिव्यांग बच्चों का प्री–प्राइमरी विशेष विद्यालय 'शिक्षा का मंदिर' की गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही, आगामी योजनाओं पर भी विचार–विमर्श होगा।

पदाधिकारियों का होगा सम्मान– बैठक में परिषद के पूर्व पदाधिकारी एवं सदस्यों को, जिनकी हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार के विभिन्न आयोगों और निगमों में नियुक्ति हुई है, सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर भी चर्चा की जा सकेगी।

स्कूल के मैदान में बिजली गिरने से छात्र की मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर में बुधवार दोपहर तेज गरज–चमक और बारिश के बीच दर्दनाक हादसा हो गया। न्यू राजेंद्रनगर थाना क्षेत्र स्थित सेंट जोसेफ स्कूल के खेल मैदान में बिजली गिरने से कक्षा 10वीं के छात्र प्रभात साहू की मौत हो गई। हादसे के बाद से स्कूल परिसर में मातम पसरा हुआ है।

कैसे हुआ हादसा ?– जानकारी के मुताबिक, दोपहर करीब एक बजे आसमान में काले बादल छाए हुए थे और हल्की बारिश के साथ गरज भी हो रही थी। इसी दौरान स्कूल के मैदान में कुछ छात्र खेल रहे थे। अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली मैदान में गिरी। इसकी चपेट में आकर छात्र प्रभात साहू गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद स्कूल प्रबंधन ने घायल छात्र को पास के अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की। लेकिन रास्ते में ही प्रभात ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शोक का माहौल– अचानक हुई इस घटना से स्कूल के छात्रों और शिक्षकों में शोक की लहर है। परिजनों को सूचना मिलते ही वे अस्पताल पहुंचे, जहां बेटे का शव देखकर परिजन बदहवास हो गए।

विशेषज्ञों की चेतावनी– मौसम विशेषज्ञ लगातार आकाशीय बिजली से सावधानी बरतने की अपील करते रहे हैं। खुले मैदान में बिजली गिरने की आशंका अधिक होती है। ऐसे में गरज–चमक की स्थिति में छात्रों को मैदान से हटाकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाना जरूरी है।

प्रोजेक्ट आओ बांटे खुशियां के तहत शासकीय कर्मचारियों ने अपने जन्मदिन पर बच्चों के संग साझा की खुशियां

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित अभिनव पहल प्रोजेक्ट आओ बांटे खुशियां के तहत रायपुर जिले के अधिकारी एवं कर्मचारी अब अपने जन्मदिवस को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए नन्हें बच्चों संग खुशियां बांट रहे हैं। इसी कड़ी में लेक्चरर भीखम राम साहू तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सुपरवाइजर उभय राम साहू ने अपने जन्मदिन के अवसर पर आंगनबाड़ी तथा स्कूली बच्चों के साथ विशेष समय बिताया। दोनों अधिकारियों ने बच्चों के साथ केक काटा तथा उन्हें फल, मिठाई, पौष्टिक आहार वितरित की। इस पहल के तहत कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह द्वारा जिले के अधिकारियों व कर्मचारियों को जन्मदिन की पूर्व संध्या पर एसएमएस और ई–कार्ड के माध्यम से शुभकामनाएं भेजी जाती हैं और उन्हें पास के आंगनबाड़ी या विद्यालय में बच्चों संग जन्मदिन मनाने हेतु प्रेरित किया जाता है। अपने अनुभव साझा करते हुए दोनों कर्मचारियों ने कहा, बच्चों के साथ जन्मदिन मनाना हमारे लिए अत्यंत सुखद अनुभव रहा। समाज से जुड़कर अपनी खुशियां बांटना एक नई ऊर्जा और सकारात्मकता प्रदान करता है।

बेटियों की शिक्षा से पीढ़ियाँ होती हैं शिक्षित : मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर। बेटियों को शिक्षा मिलने से हमारी पीढ़ियाँ शिक्षित होती हैं। प्रदेश सरकार बेटियों की उच्च शिक्षा के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप योजना के शुभारंभ अवसर पर यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अजीम प्रेमजी फाउंडेशन को बधाई देते हुए कहा कि इस छात्रवृत्ति योजना से हजारों बेटियों को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ का चहुंमुखी विकास हुआ है और इसमें बेटियों ने भी अपनी भूमिका निभाकर प्रदेश का मान बढ़ाया है। बेटियाँ आर्थिक दिक्कतों के कारण अपनी पढ़ाई अधूरी न छोड़ें—इसी उद्देश्य से यह पहल की गई है। यह योजना प्रदेश में बालिकाओं की उच्च शिक्षा में नामांकन दर को और अधिक बढ़ाने में सहायक होगी। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ संकल्प को यह स्कॉलरशिप आगे बढ़ाएगी। इसके माध्यम से शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाली निम्न आय वर्ग की छात्राओं को विशेष रूप से मदद मिलेगी और वे अपनी उच्च शिक्षा जारी रख पाएँगी।

बेटियों की शिक्षा से पीढ़ियाँ होती हैं शिक्षित : मुख्यमंत्री श्री साय– मुख्यमंत्री ने कहा कि जब बेटियाँ पढ़ती हैं तो वे केवल दो परिवारों को ही नहीं बल्कि पूरी पीढ़ियों को शिक्षित करती हैं। उन्होंने सभी महाविद्यालयों में इस योजना की जानकारी व्यापक रूप से पहुँचाने के निर्देश दिए। उल्लेखीय है कि इस योजना के तहत प्रदेश के शासकीय विद्यालयों से 10वीं एवं 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाली नियमित छात्राएँ पात्र होंगी। जो छात्राएँ शैक्षणिक सत्र 2025–26 में स्नातक के प्रथम वर्ष अथवा डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में देश के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में प्रवेश लेंगी, उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ मिलेगा।योजना का लाभ पाने के लिए वेबसाइट httpsÑ//azimpremji-foundation.org/what-we-do/education/azim-premji-scholarship पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा। साथ ही, क्यूआर कोड स्कैन कर भी आवेदन किया जा सकता है। आवेदन दो चरणों में स्वीकार किए जाएँगे—पहला चरण 10 सितम्बर से 30 सितम्बर 2025 तथा दूसरा चरण 10 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक। फाउंडेशन द्वारा छात्रवृत्ति योजना की पूरी प्रक्रिया नि:शुल्क संचालित की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने दी बड़ी सौगात कुनकुरी में बनेगा अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी सोच और नेतृत्व में जशपुर जिले को लगातार विकास की सौगातें मिल रही हैं। खेल प्रतिभाओं को पहचान और बेहतर अवसर दिलाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। जिले के कुनकुरी में अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए शासन द्वारा 63 करोड़ 84 लाख 89 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। यह खेल कॉम्प्लेक्स न केवल जशपुर बल्कि पूरे सरगुजा संभाग के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधा इस कॉम्प्लेक्स के निर्माण से मिलेगा द्य ग्रामीण और आदिवासी अंचल के खेल में रुचि रखने वाले युवाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अब खिलाड़ियों को बड़े शहरों की ओर रुख करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यहीं पर उन्हें प्रशिक्षण, प्रतियोगिताएं और खेल आयोजन की बेहतर सुविधाएं मिलेगी। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की छुपी हुई खेल प्रतिभाएं निखरकर सामने आएंगी। युवाओं के लिए खेलों में कैरियर और रोजगार की नई संभावनाएं भी खुलेंगी। स्थानीय खेल प्रेमियों और युवाओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए कहा कि इस कॉम्प्लेक्स के बनने से जशपुर जिले की पहचान खेलों के क्षेत्र में और भी मजबूत होगी।

ये होंगी विशेष सुविधाएं– इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को अत्याधुनिक खेल ढांचे और सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। इसमें शामिल होंगे— एथलेटिक्स ट्रैक एवं पवेलियन, बास्केटबॉल कोर्ट, कबड्डी और खो–खो के मैदान,आधुनिक स्विमिंग पूल एवं ड्रेस चेंजिंग रूम, वॉलीबॉल ग्राउंड , जंपिंग गेम और खेल उपकरण इन सभी व्यवस्थाओं से खिलाड़ियों को बड़े स्तर पर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

जशपुर का खेलों में नया स्वर्णिम अध्याय– जशपुर जिला पहले से ही अपनी खेल प्रतिभाओं के लिए प्रसिद्ध रहा है। यहां से कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं। अब इस इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण से यह परंपरा और मजबूत होगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का यह कदम न केवल खेल प्रतिभाओं के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है, बल्कि यह जशपुर को खेलों की भूमि के रूप में नई पहचान भी दिलाएगा।

अलसी परियोजना को मिला सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी), रायपुर में संचालित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) अलसी को अलसी अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ एआईसीआरपी केंद्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद सीएआर द्वारा आयोजित अलसी एवं कुसुम की वार्षिक कार्यशाला, जो रांची में 9–10 सितंबर, 2025 आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान यह अवॉर्ड प्रदान किया गया। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उन्होंने कहा कि यह सम्मान अलसी अनुसंधान को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने, नवाचार को बढ़ावा देने, एवं देश की कृषि उत्पादकता में वृद्धि हेतु एआईसीआरपी अलसी टीम की सतत प्रतिबद्धता और उत्कृष्ट कार्यशैली को दर्शाता है।

सम्मान समारोह में देश के प्रमुख आईसीएआर ऑथोरिटी एवं विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें डॉ. डी.के. यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली; डॉ. संजीव गुप्ता, सहायक महानिदेशक (तिलहन एवं दलहन), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली डॉ. आर.के. माथुर, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद तथा डॉ. एस.सी. दुबे, कुलपति, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची शामिल थे। वहीं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर स्थित एआईसीआरपी अलसी परियोजना की समर्पित टीम में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एन. मेहता, डॉ. संजय के. द्विवेदी, कौशल वैज्ञानिक डॉ. आशुलता, वैज्ञानिक डॉ. राजेश के. एक्का शामिल हैं। इस उल्लेखनीय उपलब्धि को कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के सक्षम नेतृत्व एवं अनुसंधान निदेशक डॉ. विवेक त्रिपाठी के मार्गदर्शन में संभव बनाया गया।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से प्रतिज्ञा का फौज में जाने का सपना होगा पूरा

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की आत्मीयता ने छुआ श्रमिक परिवार का दिल, बेटी प्रतिज्ञा ने थामा सपनों का रास्ता

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की आत्मीयता ने छुआ श्रमिक परिवार का दिल, बेटी प्रतिज्ञा ने थामा सपनों का रास्ता एक माँ की आँखों में उमड़ी खुशी, चेहरे पर झलकता गर्व और शब्दों में छलकता भावातिरेक इस बात का प्रमाण है कि सरकार की दिशा सही है और योजनाएँ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुँच रही हैं। रायपुर की नंदिनी यादव, जो रोज़ी–मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करती हैं, आज अपनी बेटी प्रतिज्ञा को छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल, टाटीबंध में प्रवेश दिलाकर गदगद हैं। यह संभव हुआ है मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर शुरू की गई अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से। नंदिनी यादव बताती हैं कि वह हमेशा चाहती थीं कि उनके बच्चे भी इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ें, लेकिन सीमित आर्थिक स्थिति के कारण यह सपना पूरा नहीं हो पा रहा था। घर के अन्य बच्चों को देख वह कई बार सोचती थीं कि उनकी बिटिया भी अच्छे स्कूल में पढ़े। जब प्रतिज्ञा का चयन अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना में हुआ तो उनकी आँखों से खुशी के आँसू छलक पड़े। उन्होंने कहा मेरे लिए यह क्षण अविस्मरणीय है। यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा तोहफा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से मुलाकात के दौरान नंदिनी यादव ने अपने मन की भावनाएँ साझा कीं। उन्होंने कहा कि अब बेटी का भविष्य संवर जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने भी नंदिनी यादव को बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह योजना श्रमिक परिवारों के बच्चों को बेहतर शिक्षा और जीवन की नई दिशा देने का माध्यम बनेगी। नंदिनी ने बताया कि बेटी प्रतिज्ञा का सपना बड़ा है। वह हमेशा से कहती आई है कि उसे फौज में जाना है और देश की सेवा करनी है। बिटिया का यह सपना अब हकीकत बनने की राह पर है। इंग्लिश मीडियम में पढ़ाई और बेहतर संसाधनों की उपलब्धता से वह अपने लक्ष्य तक पहुँच सकेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्ची की इस सोच की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सपनों से ही देश की नींव मजबूत होती है। नंदिनी यादव ने अपनी खुशी साझा करते हुए बताया कि केवल बच्ची की शिक्षा की व्यवस्था ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री आवास योजना से उन्हें पक्का मकान मिला है, उज्ज्वल योजना से रसोई गैस कनेक्शन मिला और उनकी सासू माँ को शासन से सिलाई मशीन भी प्राप्त हुई है। इन योजनाओं ने उनके परिवार की जिंदगी बदल दी है। उन्होंने कहा सरकार की योजनाएँ मेरे परिवार के लिए संबल बन गई हैं, यही तो सच्चा अंत्योदय है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री जी के कारण आज मेरी बच्ची को बेहतर शिक्षा मिल रही है। मैं मुख्यमंत्री जी के पास अपनी भावनाएँ व्यक्त करने आई हूँ। यह खुशी शब्दों में बयान करना मुश्किल है। माँ की भावुकता देखकर उपस्थित लोग भी प्रभावित हुए। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि बेटी की पढ़ाई पूरी जिम्मेदारी से होगी और परिवार को लगातार सहयोग मिलता रहेगा। उल्लखेनीय है कि अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के तहत छठी से बारहवीं तक पढ़ाई का पूरा दायित्व सरकार उठाती है। नंदिनी यादव अब निश्चिंत हैं कि उनकी बच्ची का भविष्य सुरक्षित है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाले सहयोग ने उनके परिवार को आर्थिक संबल दिया है। यह कहानी केवल एक माँ–बेटी की नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के उन हजारों परिवारों की है जिनके सपने सरकार की योजनाओं से साकार हो रहे हैं।

संपादकीय

जीएसटी में बदलाव दुविधा में विपक्ष

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी व्यवस्था में किए गए व्यापक सुधारों (जीएसटी 2.0) को राष्ट्र के लिए समर्थन और वृद्धि को 'दोहरी खुराक' करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों की श्रृंखला अब नहीं थमेगी। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथ संवाद के दौरान कहा कि उन्होंने 15 अगस्त को लाल किले से वादा किया था कि दिवाली और छठ पूजा से पहले देशवासियों को 'दोहरा धमाका' मिलेगा। गौरतलब है कि जीएसटी परिषद की बुधवार को हुई बैठक में अब से सिर्फ पांच और 18 फीसद की दो कर दरें रखने का फैसला किया गया जबकि विलासिता एवं अहितकर उत्पादों को 40 फीसद के दायरे में रखा गया है। जीएसटी में यह राहत 22 सितम्बर से मिलना शुरू हो जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि आम लोगों की जेब में अधिक पैसा बचे और उनका जीवन बेहतर बने। दावा किया जा रहा है कि नये सुधारों से कर प्रणाली सरल होगी, जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा, खपत एवं वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा, कारोबारी सुगमता बढ़ेगी जिससे निवेश और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलेगा तथा विकसित भारत के लिए सहकारी संघवाद को मजबूती मिलेगी। हालांकि कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने दावा किया है कि इसे लागू करने में देर हो गई है। हालांकि नये सुधारों का स्वागत किया जा रहा है, लेकिन इस तरफ ध्यान जरूर खींचा जा रहा है कि जीएसटी का मौजूदा डिजाइन और कई दरें होनी ही नहीं चाहिए थीं। कांग्रेस का कहना है कि उसने 2019 और 2024 के लोक सभा चुनावों के अपने घोषणापत्र में तर्कसंगत कर व्यवस्था के साथ जीएसटी 2.0 की मांग की थी, लेकिन मोदी सरकार ने एक राष्ट्र, एक कर को एक राष्ट्र, नौ कर बना दिया। बहरहाल, जीएसटी में नये सुधार के खिलाफ बोलने के लिए विपक्ष के पास कुछ ज्यादा नहीं है। सच तो यह है कि विपक्ष दुविधा में है कि जीएसटी में बदलाव पर क्या कहे। कर सरलीकरण के लिहाज से ही नहीं, बल्कि ट्रंप टैरिफ के असर को कम करने के मद्देनजर भी यह सुधार जरूरी था। निर्यात मोर्चे पर भारतीय उत्पादों को ट्रंप टैरिफ के चलते झटका मिलना तय है। घरेलू मांग को मजबूत बनाए रख कर ट्रंप टैरिफ के असर को कम से कम किया जा सकता है। जीएसटी में यह सुधार यकीनन आर्थिक तकाजों को पूरा करने वाला स्वागतयोग्य कदम कहा जा सकता है।

असली समस्या वहीं की वहीं खड़ी

उमाकांत लखेड़ा

प्रधानमंत्री मोदी की हालिया चीन यात्रा को दोस्ती की शुरुआत के तौर पर प्रचारित किया गया। लेकिन असली हालात इतने आसान नहीं हैं, जैसे बताए जा रहे हैं। भारत और चीन की नजदीकी असल में अस्थायी रु कावट जैसी है, न कि भरोसेमंद रिश्ते की नई शुरुआत। कूटनीतिक जानकार इस नई दोस्ती पर फूंक-फूंक कर कदम बढ़ाने की सलाह दे रहे हैं क्योंकि चीन के साथ भारत के आयात-निर्यात में भारी असमानता है। इसलिए जल्दबाजी में जोखिम की अधिक आशंकाएं जताई जा रही हैं। निस्संदेह प्रधानमंत्री की यात्रा से चीन के साथ रिश्तों की बर्फ पिघली है। दोनों देशों के बीच इस निकटता से कुछ क्षेत्रों में सहयोग के संकेत जरूर मिले। चीन ने कहा कि वह इलेक्ट्रॉनिक्स और गाड़ियों के क्षेत्र में भारत के साथ नये सिरे से काम करेगा। सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने, वीजा नियम आसान करने और कुछ निर्यात पाबंदियां हटाने का वादा किया। अमेरिका के भारी टैक्सों के दबाव में फंसे भारत के लिए ये कदम थोड़ी राहत लेकर आए। मोदी और शी जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन 'साझेदार हैं, दुश्मन नहीं।' इससे दोस्ती का माहौल बना, लेकिन असली समस्या वहीं की वहीं खड़ी दिखती है। चीन लगातार पाकिस्तान का समर्थन करता है। पाकिस्तान में अरबों डॉलर लगाता है, सैन्य और परमाणु मदद देता है और उसकी ढाल बनता है। इससे भारत के लिए दो तरफ से सुरक्षा का खतरा हमेशा बना रहता है, जिसे कोई भी मुलाकात नहीं बदल सकती। चीन की बेल्ट एंड रोड योजना भी भारत के लिए चिंता का कारण है। श्रीलंका, मालदीव, नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार तक चीन अपने प्रोजेक्ट्स फैला रहा है। ये सिर्फ विकास के काम नहीं हैं, बल्कि एक तरह का घेरा हैं, जिससे भारत का प्रभाव अपने ही पड़ोस में कम हो रहा है। आर्थिक स्थिति भी भारत के अनुकूल नहीं है। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 90 अरब डॉलर से ज्यादा हो चुका है। भारत चीन से बहुत ज्यादा सामान खरीदता है, लेकिन चीन भारत से बहुत कम खरीदता है। इससे भारत चीन पर निर्भर हो जाता है, लेकिन उसे उतना फायदा नहीं मिलता। उड़ानों या वीजा में ढील जैसी चीजें इस बड़े घाटे और अमेरिकी टैक्स से हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर सकतीं। भारत-चीन-रूस धुरी की चर्चा ज्यादा नाटकीय कथा जैसी लगती है, इस नई जुगलबंदी में दूरगामी और व्यावहारिक कूटनीतिक संतुलन जैसी नहीं बात नहीं लगती। भारत और चीन एशिया में फिर से अपना प्रभाव बढ़ाने के मामले में अतीत से ही प्रतिद्वंद्वी हैं। जाहिर है इनकी बुनियादी दृष्टि परस्पर विरोधी है। चीन वर्चस्व स्थापित करना चाहता है, पाकिस्तान को समर्थन देता है और भारत के पड़ोस में प्रभाव बनाना चाहता है। वहीं भारत इसका जवाब अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड जैसे बहुपक्षीय गठबंधनों से देता है। रूस, जो यूक्रेन युद्ध के बाद चीन पर और अधिक निर्भर हो गया है, इस धुरी में और भी असंतुलन पैदा करता है। ऐसी स्थिति में भारत के एक 'छोटे खिलाड़ी' की तरह सिमट जाने का खतरा है। इस स्थिति को भारत कभी गवारा नहीं करता। देश के भीतर कई विदेश मामलों के जानकार मानते हैं कि भारत ने यह जो नया रास्ता पकड़ा है, वह वास्तव में गुटनिरपेक्ष और मुद्दा-आधारित परंपरा से भटकाव है। यह विरोधाभास प्रधानमंत्री की हालिया चीन यात्रा में साफ दिखाई दिया। सात साल बाद मोदी की चीन यात्रा एक अहम पड़ाव रही। मोदी और शी ने सहमति जताई कि मतभेदों को विवादों में नहीं बदलने दिया जाएगा और आपसी भरोसा, सम्मान और संवेदनशीलता भविष्य के रिश्तों की नींव होंगे।

मोहन भागवत जी हमेशा से 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के प्रबल समर्थक रहे हैं

नरेंद्र मोदी

आज 11 सितंबर है। यह दिन अलग-अलग स्मृतियों से जुड़ा है। एक स्मृति 1893 की है, जब स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में विश्वबंधुत्व का संदेश दिया और दूसरी स्मृति है 9/11 का आतंकी हमला, जब विश्व बंधुत्व को सबसे बड़ी चोट पहुंचाई गई। आज के दिन की एक और विशेष बात है। आज एक ऐसे व्यक्तित्व का 75वां जन्मदिवस है जिन्होंने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र पर चलते हुए समाज को संगठित करने, समता-समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में अपना पूरा जीवन समर्पित किया है।

संघ परिवार में जिन्हें परम पूजनीय सरसंघचालक के रूप में श्रद्धाभाव से संबोधित किया जाता है, ऐसे आदरणीय मोहन भागवत जी का आज जन्मदिन है। यह एक सुखद संयोग है कि इसी साल संघ भी अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। मैं भागवत जी को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि ईश्वर उन्हें दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

मेरा मोहन भागवत जी के परिवार से बहुत गहरा संबंध रहा है। मुझे उनके पिता, स्वर्गीय मधुकरराव भागवत जी के साथ निकटता से काम करने का सौभाग्य मिला था। मैंने अपनी पुस्तक ज्योतिपुंज में मधुकरराव जी के बारे में विस्तार से लिखा भी है। वकालत के साथ-साथ मधुकरराव जी जीवनभर राष्ट्र निर्माण के कार्य में समर्पित रहे। अपनी युवावस्था में उन्होंने लंबा समय गुजरात में बिताया और संघ कार्य की मजबूत नींव रखी।

मधुकरराव जी का राष्ट्र निर्माण के प्रति झुकाव इतना प्रबल था कि अपने पुत्र मोहनराव को भी इस महान कार्य के लिए निरंतर गढ़ते रहे। एक पारसमणि मधुकरराव ने मोहनराव के रूप में एक और पारसमणि तैयार कर दी।

भागवत जी का पूरा जीवन सतत प्रेरणा देने वाला रहा है। वे 1970 के दशक के मध्य में प्रचारक बने। सामान्य जीवन में प्रचारक शब्द सुनकर ये भ्रम हो जाता है कि कोई प्रचार करने वाला व्यक्ति होगा, लेकिन जो संघ को जानते हैं उनको पता है कि प्रचारक परंपरा संघ कार्य की विशेषता है। गत 100 वर्षों में देशभक्ति की प्रेरणा से भरे हजारों युवक-युवतियों ने अपना घर-परिवार त्याग करके पूरा जीवन संघ परिवार के माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया है। भागवत जी भी उस महान परंपरा की मजबूत धुरी हैं।

भागवत जी ने उस समय प्रचारक का दायित्व संभाला, जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश पर इमरजेंसी थोप दी थी। उस दौर में प्रचारक के रूप में भागवत जी ने आपातकाल-विरोधी आंदोलन को

निरंतर मजबूती दी। उन्होंने कई वर्षों तक महाराष्ट्र के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों, विशेषकर विदर्भ में काम किया। 1990 के दशक में अखिल भारतीय शारीरिक प्रमुख के रूप में मोहन भागवत जी के कार्यों को आज भी कई स्वयंसेवक स्नेहपूर्वक याद करते हैं। इसी कालखंड में मोहन भागवत जी ने बिहार के गांवों में अपने जीवन के अमूल्य वर्ष बिताए और समाज को सशक्त करने के कार्य में समर्पित रहे।

वर्ष 2000 में वे सरकार्यवाह बने और यहाँ भी भागवत जी ने अपनी अनोखी कार्यशैली से हर कठिन परिस्थिति को सहजता और सटीकता से संभाला।

2009 में वे सरसंघचालक बने और आज भी अत्यंत ऊर्जा के साथ कार्य कर रहे हैं। भागवत जी ने राष्ट्र प्रथम की मूल विचारधारा को हमेशा सर्वोपरि रखा। सरसंघचालक होना मात्र एक संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं है। यह एक पवित्र विश्वास है, जिसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी दूरदर्शी व्यक्तित्वों ने आगे बढ़ाया है और इस राष्ट्र के नैतिक और सांस्कृतिक पथ को दिशा दी है। असाधारण व्यक्तियों ने इस भूमिका को व्यक्तिगत त्याग, उद्देश्य की स्पष्टता और माँ भारती के प्रति अटूट समर्पण के साथ निभाया है। यह गर्व की बात है कि मोहन भागवत जी ने न केवल इस विशाल जिम्मेदारी के साथ पूर्ण न्याय किया है, बल्कि इसमें अपनी व्यक्तिगत शक्ति, बौद्धिक गहराई और सहृदय नेतृत्व भी जोड़ा है।

भागवत जी का युवाओं से सहज जुड़ाव है और इसलिए उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं को संघ कार्य के लिए प्रेरित किया है। वे लोगों से प्रत्यक्ष संपर्क में रहते हैं, और संवाद करते रहते हैं। श्रेष्ठ कार्य पद्धति को अपनाने की इच्छा और बदलते समय के प्रति खुला मन रखना, ये मोहनजी की बहुत बड़ी विशेषता रही है। अगर हम व्यापक संदर्भ में देखते हैं तो संघ की 100 साल की यात्रा में भागवत जी का कार्यकाल संघ में सर्वाधिक परिवर्तन का कालखंड माना जाएगा। चाहे वो गणवेश परिवर्तन हो, संघ शिक्षा वर्गों में बदलाव हो, ऐसे अनेक महत्वपूर्ण परिवर्तन उनके निर्देशन में संपन्न हुए।

कोरोना काल में मोहन भागवत जी के प्रयास विशेष रूप से याद आते है। उस कठिन समय में उन्होंने स्वयंसेवकों को सुरक्षित रहते हुए समाजसेवा करने की दिशा दी और टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाने पर बल दिया। उनके मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने जरूरतमंदों तक हरसंभव सहायता पहुँचाई, जगह-जगह मेडिकल कैंप लगाए। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों और वैश्विक विचार को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाओं को विकसित किया। हमें कई स्वयंसेवकों को खोना भी पड़ा, लेकिन भागवत जी की प्रेरणा ऐसी थी कि अन्य स्वयंसेवकों की दृढ़ इच्छाशक्ति कमजोर नहीं पड़ी।

इस वर्ष की शुरुआत में, मैंने नागपुर में उनके साथ माधव नेत्र चिकित्सालय के उद्घाटन के दौरान मैंने कहा था कि संघ अक्षयवट की तरह है, जो राष्ट्रीय संस्कृति और चेतना को ऊर्जा देता है। इस अक्षयवट वृक्ष की जड़ें इसके मूल्यों की वजह से बहुत गहरी और मजबूत हैं। इन मूल्यों को आगे बढ़ाने में जिस समर्पण से मोहन भागवत जी जुटे हुए हैं, वो हर किसी को प्रेरणा देता है।

समाज कल्याण के लिए संघ की शक्ति के निरंतर उपयोग पर मोहन भागवत जी का विशेष बल रहा है। इसके लिए उन्होंने पंच परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। इसमें स्व बोध, सामाजिक समरसता, नागरिक शिष्टाचार, कुटुम्ब प्रबोधन और पर्यावरण के सूत्रों पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। देश और समाज के लिए सोचने वाले हर भारतवासी को पंच परिवर्तन के इन सूत्रों से अवश्य प्रेरणा मिलेगी।

संघ का हर कार्यकर्ता वैभव संपन्न भारत माता का सपना साकार होते देखना चाहता है। इस सपने को पूरा करने के लिए जिस स्पष्ट विज़न और ठोस एक्शन की जरूरत होती है, मोहन जी इन दोनों गुणों से परिपूर्ण हैं।

मोहन जी के स्वभाव की एक और बड़ी विशेषता ये है कि वो मृदुभाषी हैं। उनमें सुनने की भी अद्भुत क्षमता है। यह विशेषता न केवल उनके दृष्टिकोण को गहराई देती है, बल्कि उनके व्यक्तित्व और नेतृत्व में संवेदनशीलता और गरिमा भी लाती है।

मोहन जी, हमेशा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के प्रबल पक्षधर रहे हैं। भारत की विविधता और भारत भूमि की शोभा बढ़ा रही अनेक संस्कृतियों और परंपराओं के उत्सव में भागवत जी पूरे उत्साह से शामिल होते हैं। वैसे बहुत कम लोगों को ये पता है कि मोहन भागवत जी अपनी व्यस्तता के बीच संगीत और गायन में भी रुचि रखते है। वे विभिन्न भारतीय वाद्ययंत्रों में भी निपुण हैं। पठन-पाठन में उनकी रुचि, उनके अनेक भाषणों और संवादों में साफदिखाई देती है।

पिछले दिनों देश में जितने सफल जन-आंदोलन हुए चाहे स्वच्छ भारत मिशन हो या बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मोहन भागवत जी ने पूरे संघ परिवार को इन आंदोलनों में ऊर्जा भरने के लिए प्रेरित किया। मैं पर्यावरण से जुड़े प्रयासों और सस्टेनेबल लाइफस्टाइल को आगे बढ़ाने के प्रति उनके समर्पण को जानता हूँ। मोहन जी का बहुत जोर आत्मनिर्भर भारत पर भी है।

कुछ ही दिनों में विजयादशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 वर्ष का हो जाएगा। यह भी सुखद संयोग है कि विजयादशमी का पर्व, गांधी जयंती, लाल बहादुर शास्त्री की जयंती और संघ का शताब्दी वर्ष एक ही दिन आ रहे हैं।

यह भारत और विश्वभर के लाखों स्वयंसेवकों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। हम स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमारे पास मोहन भागवत जी जैसे दूरदर्शी और परिश्रमी सरसंघचालक हैं, जो ऐसे समय में संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं। एक युवा स्वयंसेवक से लेकर सरसंघचालक तक की उनकी जीवन यात्रा उनकी निष्ठा और वैचारिक दृढ़ता को दर्शाती है। विचार के प्रति पूर्ण समर्पण और व्यवस्थाओं में समयानुकूल परिवर्तन करते हुए उनके नेतृत्व में संघ कार्य का निरंतर विस्तार हो रहा है। मैं माँ भारती की सेवा में समर्पित मोहन भागवत जी के दीर्घ और स्वस्थ जीवन की पुन: कामना करता हूँ। उन्हें जन्मदिवस पर अनेकानेक शुभकामनाएं।

पीएम मोदी की चीन व जापान यात्रा के वैश्विक प्रभाव क्या पड़ेंगे?

कमलेश पांडे

अमेरिका से गहराते आर्थिक व नीतिगत तनाव के बीच भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया चीन-जापान यात्रा के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मायने बेहद अहम हैं और प्रतिरक्षा रणनीतियों व विकास के लिहाज से भारत के प्रति इसके दुनियावी असर भी बेहद महत्वपूर्ण और कारगर साबित होंगे। ऐसा इसलिए कि पीएम मोदी की इस यात्रा के माध्यम से जहां चीन से द्विपक्षीय सम्बन्धों में गर्माहट आई है, वहीं जापान से पहले से चले आ रहे मधुर सम्बन्धों को और अधिक मजबूती मिली है और कारोबारी विकास का मार्ग प्रशस्त होने के आसार बढ़े हैं।

पीएम की इस यात्रा से साफ पता चलता है कि दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को आतुर भारत अब अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के हिसाब से अमेरिका और चीन के साथ गिव एंड टेक के रिश्ते रखते हुए रूस के साथ अपने भरोसेमंद रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाना चाहता है।

वहीं, अमेरिकी, चीनी और पाकिस्तान परस्त अरब देशों की भावी चुनौतियों का मजबूती पूर्वक सामना करने के लिए दूसरी पंक्ति के देशों, यथा- जापान, इजरायल, फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, ईरान आदि के साथ मजबूत रणनीतिक सम्बन्ध विकसित करना चाहता है। वहीं, द्विपक्षीय व्यापार हेतु फ्री ट्रेड अग्रीमेंट करने की रणनीति पर भी भारत अमल कर रहा है। इस नजरिए से पीएम मोदी की जापान यात्रा भी बहुत फायदेमंद रही है।

वहीं, चीन के तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पीएम मोदी की मुलाक़ात बेहद सकारात्मक बताई गई है। यहीं पर आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ मोदी ने जो गर्मजोशी दिखाई, वह शेष दुनिया के लिए एक व्यापक संकेत है। इसके अलावा, मोदी, पुतिन और जिनपिंग की त्रिपक्षीय मुलाकात के हास्य हाव-भाव वाले फ़ोटो ने पश्चिमी दुनिया के नेताओं की नींद उड़ा डाली है। दरअसल, वैश्विक दुनियादारी में हर वक्त खरे उतरे भारत-रूस सम्बन्धों में दरार डालने की जो अमेरिकी चाल चली गई, उसके साइड इफेक्ट्स स्वरूप भारत-चीन ने जो सूझबूझ प्रदर्शित किया है, उससे अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिज्ञों की बोलती बंद हो चुकी है।

देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ जो द्विपक्षीय मुलाक़ात हुई, इससे दोनों के आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलती प्रतीत हुई है। यह भारत के लिए एक शुभ संकेत है। तभी तो पीएम मोदी के साथ बैठक में शी जिनपिंग ने दो टूक कहा है कि वैश्विक परिदृश्य बदल

रहा है। इसलिए दोनों देशों का साथ आना लाजिमी है। इस हेतु जारी कोशिशों को बढ़ावा मिलना दोनों देशों के लिए हित बर्द्धक रहेगा।

कहना न होगा कि चीन और भारत सिर्फ़ प्राचीन सभ्यताएँ ही नहीं, बल्कि दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं, जो ग्लोबल साउथ के प्रमुख स्तम्भ हैं। इसलिए दोनों देशों के लिए यह अहम है कि वो अच्छे संबंध रखने वाले दोस्त बने रहें और ऐसे साझेदार बनें जो एक-दूसरे की सफलता में योगदान करें। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि दोनों देशों के बीच सहयोग से 2.8 अरब लोगों के हित जुड़े हुए हैं। भारत चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

देखा जाए तो अमेरिका द्वारा भारत को घेरने के लिए जिस अब्राहम परिवार यानी ईसाई-यहूदी-मुस्लिम की एकता पर बल दिया जा रहा है, वह यदि सफल होता है तो चीन और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों का साथ भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण और तलबगार हो जाएगा, क्योंकि यहां हिन्दू धर्म से निकले बौद्ध धर्म का प्रभाव ज्यादा है।

यूँ तो मोदी-जिनपिंग की मुलाक़ात ऐसे समय पर हुई है, जब भारत 50 फ़ीसदी अमेरिकी टैरिफ़से उपजे आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है, क्योंकि इस टैरिफ़से भारत के निर्यात क्षेत्र पर अच्छा-ख़ासा असर पड़ेगा। जबतक कि वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो जाए। इसलिए अब भारत और चीन भी आपसी सीमा विवादों के तल्खी भरे अतीत के उलट अपने संबंधों को एक नया स्वरूप देने पर लगातार ज़ोर दे रहे हैं। जिसके लिए पिछले 6 माह से कवायद तेज है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत और चीन दोनों देशों के बीच संबंध, मौजूदा वक्त में दुनिया में हो रहे बदलावों पर निर्भर करते हैं और इन रिश्तों में मोदी की चीन यात्रा 'एक मोड़' है, क्योंकि भारत और चीन दुनिया की पाँच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। अभी तक चीन दूसरे और भारत चौथे पायदान पर खड़ा है। हालांकि भारत शीघ्र ही दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को ततपर है।

ंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ़) के अनुसार, 5 ट्रिलियन डॉलर के शेयर बाज़ार के साथ भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की राह पर है, जबकि चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है।

चूंकि दुनिया ने चीन और अमेरिका के संबंधों को बहुत अहमियत दी है। इसलिए अब वक्त आ गया है कि दोनों देश सिर्फइस बात पर ध्यान दें कि दुनिया की दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ यानी चीन और भारत, कैसे एक साथ काम कर सकते हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच संबंध में एक बड़ी चुनौती सीमा विवाद भी है। ऐसा इसलिए कि भारत और चीन के बीच लंबे समय से अनसुलझा सीमा विवाद भी रहा है।

हालांकि, दोनों देश आपसी विवादों को मिटाना चाहते हैं। विगत छह महीनों में भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें फ़िर से शुरू करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। कैलाश- मानसरोवर यात्रा भी शुरू हो चुकी है। इसके अलावा, वीज़ा में और ढील दी जा सकती है और अन्य व्यापारिक समझौतों पर भी हस्ताक्षर हो सकते हैं।

वहीं, जो देश दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए भारत और चीन को उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं, उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए इन दोनों देशों के बीच आपसी संवाद होते रहना चाहिए। क्योंकि सीमा पर तकरार के अलावा भी दोनों देशों के बीच कई विवाद हैं। इनमें भारत में रह रहे तिब्बत के बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा और ब्रह्मपुत्र को लेकर विवाद प्रमुख हैं। पीओके और अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीनी नजरिया भी भारत के लिए अस्वीकार्य है।

रही बात, चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना बनाने की, तो भारत इससे बहुत ख़ुश नहीं है। इसी तरह पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में चीन की गुप्त भूमिका भी इन संबंधों के लिए एक गम्भीर चुनौती है। इसके अलावा,

हाल के दिनों में पड़ोसी देशों के साथ भारत के उतने अच्छे संबंध नहीं रहे। जबकि चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और अफ़ग़ानिस्तान का प्रमुख व्यापारिक साझेदार बन गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने तियानजिन हवाई अड्डे पर उतरने के बाद अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा कि वह 'एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान विभिन्न देशों के नेताओं से मिलने के लिए उत्सुक हैं।' ऐसा इसलिए कि भले ही एससीओ का प्रभाव सीमित है और इसमें शामिल देशों के बीच संबंध बहुत अच्छे नहीं हैं। फ़िर भी मोदी सरकार एक सार्थक पहल करने की इच्छुक है। पिछले वर्ष कजान में राष्ट्रपति शी के साथ मोदी की मुलाकात के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में स्थिर और सकारात्मक प्रगति हुई है।

भारत तो रूस के साथ साथ चीन व अन्य एससीओ सदस्य देशों के साथ आपसी रिश्ते में सुधार हेतु प्रयत्नशील है। लेकिन कैसे ये संबंध बहुत आगे तक जाएँगे, इसकी बहुत गुंजाइश बनानी पड़ेगी। वैसे तो, भारत और चीन के बीच व्यापारिक संबंध बहुत गहरे हैं। भारत और चीन के बीच वर्तमान में 100 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार जारी है। भारत इसे और बढ़ाने के साथ-साथ चीन से टेक्नोलॉजी के ट्रांसफ़र की भी इच्छा रखता है। ऐसे में सीधा सवाल है कि भारत और चीन एक दूसरे से क्या चाहते हैं? तो जवाब होगा कि भले ही भारतीय प्रधानमंत्री मोदी पिछले कई सालों से एससीओ की बैठकों में शामिल नहीं हुए थे। लेकिन उन्होंने अपने मंत्रियों को इस बैठक में अवश्य भेजा था।

वहीं अब, जब अमेरिका के साथ भारत के संबंध तनावपूर्ण हो गए, तो भारत उन्हें यह दिखाना चाहता है कि उसके पास और भी अधिक विकल्प हैं। यह ठीक है कि भारत और अमेरिका के बीच तनाव की वजह वो अमेरिकी कंपनियाँ हैं जो भारत में काम कर रही हैं, और जिसकी वजह से नौकरियाँ अमेरिका से बाहर जा रही हैं। लेकिन भारत ने राष्ट्रपति ट्रंप को पाकिस्तान के साथ युद्धविराम का श्रेय नहीं दिया और रूस से तेल ख़रीदने जैसे मुद्दों से भी ट्रंप नाराज़ हैं।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत और चीन के बीच एक रणनीतिक संघर्ष चल रहा है और यह लंबे समय तक चलेगा। क्योंकि भारत की वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा है और वह चीन को इस दौड़ में अपना प्रतिद्वंद्वी और बाधा मानता है। ठीक उसी तरह से जैसे अमेरिका भारत को। चूंकि भारत के पास चीन के साथ रणनीतिक साझेदारी की कोई संभावना नहीं है और अंततः भारत को अपने लक्ष्यों को पाने के लिए लिए पश्चिमी खेमे के प्रति पुराने रुख़ पर ही काम करना होगा।

वहीं, गुटनिरपेक्ष भारत की अपनी प्रतिरक्षात्मक नीतियाँ हैं। कभी वो अमेरिका के बहुत क़रीब चला जाता है और कभी बहुत दूर चला जाता। इससे क्षेत्र के सभी देशों के साथ उसके संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। चूंकि मोदी पांच सालों से चीन नहीं गए, इसलिए केवल किसी विशेष संदर्भ में जाकर वे कोई ख़ास बदलाव नहीं ला सकते। बावजूद इसके पीएम मोदी ने एक सकारात्मक पहल की है, जिसके दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे।

जहां तक पीएम नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा की बात है तो इससे पहले भी वो 7 बार जापान जा चुके हैं, लेकिन 7 साल बाद अब एक ऐसा संयोग बना जब किसी और मकसद नहीं, बल्कि खासतौर पर द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने के लिए पीएम टोक्यो गए थे। चूंकि, दोनों देशों के बीच गहरी व्यापारिक, तकनीकी और रणनीतिक साझेदारी है, जिसे भारतीय प्रधानमंत्री ने इस यात्रा के जरिये नए क्षेत्रों में बढ़ाया जा सकता है।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु - सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की नि:शुल्क विधि प्रात:कालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल- वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अत: जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्राय: मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश- आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अत: प्रात: शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी- पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अत: इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि-
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अत: उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

- पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

-अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

-जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

-पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

-सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

-बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

-अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

-अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

-पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

-एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

-अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

-अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

-अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

-मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

-इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

-सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

-आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

-नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्राय: संकुचित होती हैं। ये लोग प्राय: हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30- यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30- यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200- इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200- यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30- इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200- यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)- वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

संक्षिप्त समाचार

भारी बारिश और सुरक्षा चिंताओं के चलते एनएमडीसी किरंदुल खदान में विश्वकर्मा पूजा के दौरान पर्यटकों के प्रवेश पर रोक

दंतेवाडा (समय दर्शन)। किरंदुल बैलाडीला की किरंदुल खदान, जो अपने उत्कृष्ट लौह अयस्क के लिए विश्व प्रसिद्ध है, में हर साल विश्वकर्मा पूजा बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। इस अवसर पर हजारों पर्यटक खदानों में चल रहे खनन कार्यों, विशालकाय मशीनों और बैलाडीला की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने पहुंचते हैं। हालांकि, इस बार जिले में अत्यधिक बारिश और बाढ़ ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। बैलाडीला की पहाड़ियों पर भूस्खलन और सड़कों पर फिसलन का खतरा बढ़ गया है। मानसून के दौरान खदानों में भारी बारिश और कोहरे के साथ-साथ भूस्खलन की संभावना बनी रहती है। खदानों तक पहुंचने वाले रास्ते खतरनाक मोड़ और सर्पिली सड़कों से भरे हैं। पर्यटकों की सुरक्षा और खनन कार्यों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, ह्स्ष्ष्ट बीआईओएम किरंदुल कॉम्प्लेक्स प्रबंधन ने इस बार विश्वकर्मा पूजा के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए खदान नंबर 14, 11/सी, 11/बी और अन्य संयंत्रों में आम लोगों के प्रवेश तथा निजी वाहनों के आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

दंतेवाड़ा में नवनिर्वाचित सरपंचों के लिए तीन दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

दंतेवाडा (समय दर्शन)। जिला पंचायत संसाधन केंद्र, दंतेवाड़ा में 9 से 11 सितम्बर 2025 तक नवनिर्वाचित ग्राम पंचायत सरपंचों के लिए तीन दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनपद पंचायत दंतेवाड़ा के अंतर्गत आने वाले सरपंचों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य: इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य नवनिर्वाचित सरपंचों को उनके कर्तव्यों, अधिकारों और ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था, ताकि वे अपने क्षेत्र में प्रभावी नेतृत्व और विकास कार्य कर सकें। प्रमुख विषय: प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा पंचायती राज अधिनियम, पेसा कानून, GPPFT गठन, LSDG थीम, PAI-2.0, छत्तीसगढ़ ग्राम पंचायत के अनिवार्य/वैकल्पिक कर और शुल्क जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, शासन की प्रमुख योजनाओं पर भी चर्चा की गई। सरपंचों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासाओं को प्रस्तुत किया। उपस्थित गणमान्य: कार्यक्रम में उप संचालक पंचायत विभाग, जिला अंकेक्षक, सहायक आंतरिक लेखा परीक्षक एवं करारोपण, जिला संकाय सदस्य, और नीति आयोग के सहयोगी पीरामल फाउंडेशन, दंतेवाड़ा के कर्मचारी उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण नवनिर्वाचित सरपंचों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, जो उन्हें ग्रामीण विकास और प्रशासन में सशक्त भूमिका निभाने के लिए तैयार करेगा।

सीईओ जिला पंचायत ने ली समीक्षा बैठक,अपूर्ण पीएम आवसों को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

भाटापारा (समय दर्शन)। जिला पंचायत सीईओ सुश्री दिव्या अग्रवाल ने जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास निर्माण की समीक्षा की।उन्होंने द्वितीय क़िस्त जारी 36917 प्रधानमंत्री आवास को अक्टूबर तक शत प्रतिशत पूर्ण करने के साथ ही आर.डब्ल्यू.एस. बनाने हेतु सभी सीईओ जनपद पंचायत एवं अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्देशित किया । बैठक में साथ ही स्वकच्छता ही सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने हेतु विस्तृत जानकारी दी गई । प्रत्येक जनपद से एक ग्राम पंचायत को प्लास्टिक मुक्त ग्राम पंचायत बनाने हेतु कार्य योजना तैयार करने के निर्देशित किया गया। जिले के सभी सीईओ जनपद पंचायत को अपने क्षेत्रों में सघन निरीक्षण करते हुए अंतिम पंक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

न्यू हटरी बाजार और न्यू मार्केट के व्यापारी निगम से प्रीमियम राशि जमा करने का नोटिस मिलने से परेशान

प्रीमियम राशि की डिमांड नोटिस भेजने का कोई औचित्य नहीं-पूर्व महापौर शंकरलाल ताम्रकार

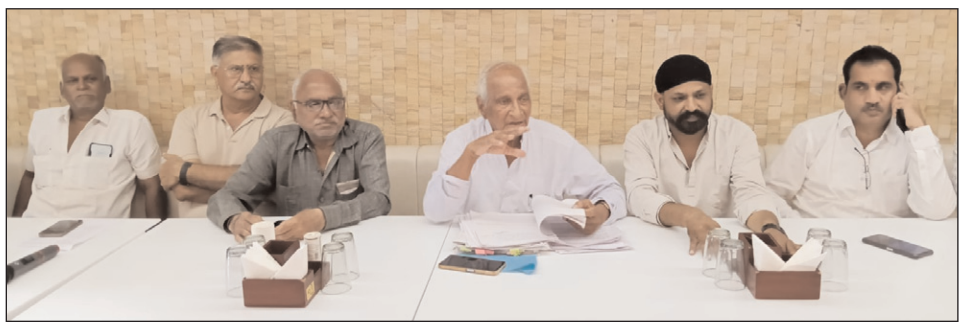

दुर्ग (समय दर्शन)। शहर के प्रमुख बाजारों में से एक न्यू हटरी बाजार और न्यू मार्केट में पिछले 100 सालों से काबिज व्यापारी नगर निगम द्वारा भेजे गए वर्तमान कलेक्टर गाइडलाईन के अनुसार प्रीमियम राशि जमा करने संबंधी नोटिस के खिलाफ एक बार फिर लामबंद हो गए है। इस मसले पर क्षेत्र के व्यापारियों द्वारा महापौर अलका बाघमार को ज्ञापन सौंपकर उन्हें दुकान आबंटन के सारे नियम-शर्तों से अवगत कराया गया। व्यापारियों का कहना था कि दुकान आबंटन के समय प्रीमियम राशि जमा करने के साथ सारे नियम शर्तें पूर्ण कर ली गई थी। फिर दोबारा प्रीमियम राशि भुगतान का सवाल ही नहीं उठता है,लेकिन 31 अक्टूबर 1996 में निगम द्वारा प्रस्ताव पारित कर न्यू हटरी बाजार और न्यू मार्केट कुल 209 दुकानदारों को निगम के बाजार विभाग द्वारा प्रीमियम राशि जमा करने के लिए लगातार नोटिस भेजा जा रहा है। जिससे व्यापारी पिछले 30 सालों से परेशान है। यह प्रीमियम देय की राशि हजारों रुपए से लेकर लाखों रुपए में है। व्यापारियों ने यह भी बताया कि पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार ने 6 जुलाई 2022 को फ्री होल्ड स्कीम लागू की थी। इस स्कीम का क्षेत्र के केवल 10-12 व्यापारियों को ही लाभ मिला, लेकिन शेष व्यापारी आवेदन देने के बाद भी फ्री होल्ड स्कीम के लाभ से वंचित रहे। व्यापारियों ने स्पष्ट कहा है कि शासन द्वारा फ्री होल्ड स्कीम लागू होने से पुराने प्रस्ताव स्वमेव समाप्त हो जाता है। जिससे न्यू हटरी बाजार और न्यू मार्केट के व्यापारियों को प्रीमियम भुगतान के लिए नोटिस भेजने का कोई औचित्य नहीं है। न्यू हटरी बाजार और न्यू मार्केट के व्यापारियों के दुकान आबंटन संबंधी इन सारे विषयों और समस्याओं को गुरुवार को पूर्व महापौर शंकरलाल ताम्रकार द्वारा व्यापारियों की मौजूदगी में मीडिया के समक्ष रखा गया। श्री ताम्रकार ने महापौर अलका बाघमार से आग्रह करते हुए कहा कि दुकान आबंटन के संबंध में निगम द्वारा शासन को सही जानकारी देकर प्रीमियम भुगतान संबंधी नोटिस को रद्द करवाने में उचित पहल करें। श्री ताम्रकार ने बताया कि इस मुद्दे के समाधान के लिए शासन और प्रशासन स्तर पर पहल किए गए है,लेकिन व्यापारियों की समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। अंतिम विकल्प कोर्ट है। यदि व्यापारियों की मांग जल्द पूरी नहीं हुई तो हम कोर्ट की ओर रुख करेंगे। क्षेत्र के परेशान व्यापारियों की मांगो को छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एवं कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का भी समर्थन मिल रहा है। जिसके चलते मीडिया से चर्चा के दौरान हटरी बाजार व्यापारी संघ के अध्यक्ष और कैट चेयरपर्सन पवन बड़जात्या, छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक राठी, व्यापारी संगठन के शिवराज राऊत, जवाहर जैन, मोहम्मद अली हिरानी, कुलदीप सिंह भाटिया अधिवक्ता सौरभ ताम्रकार मौजूद रहे। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक राठी ने कहा है कि न्यू हटरी बाजार और न्यू मार्केट के व्यापारियों द्वारा दुकान आबंटन के लिए शासन व निगम की सारी प्रक्रिया पूर्ण की गई है। बावजूद उन्हें प्रीमियम राशि भुगतान के लिए लगातार नोटिस दिया जाना समझ से परे है। जिसके खिलाफ व्यापारी पिछले 30 सालों से लड़ाई लड़ रहे है। महापौर अलका बाघमार को प्रीमियम राशि भुगतान संबंधी नोटिस को रद्द करवाकर व्यापारियों को परेशानियों से राहत दिलाने की दिशा में उचित पहल करनी चाहिए।

निर्माणाधीन अवस्था में ही ढह गई नाली की दीवार

नपा अध्यक्ष ने की कलेक्टर से निष्पक्ष जांच की मांग

भाटापारा।भाटापारा नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत 15वें वित्त आयोग मद से वार्ड क्रमांक 25 में चर्च से लेकर रेल्वे क्रॉसिंग तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया था। किंतु निर्माणाधीन अवस्था में ही उक्त नाली की दीवार ढह गई।

जनहित एवं पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कलेक्टर, बलौदाबाजार-भाटापारा को पत्र प्रेषित कर आग्रह किया है कि इस कार्य की निष्पक्ष जांच नगर पालिका की तकनीकी टीम एवं अन्य विशेषज्ञ अधिकारियों की उपस्थिति में कराई जाए। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया , सभापति गोविंद पटेल, सतीश तलरेजा दशरथ साहू उपस्थित रहे।

यह भी उल्लेखनीय है कि अब तक इस कार्य का कोई भुगतान नगर पालिका द्वारा ठेकेदार को नहीं किया गया है। अत: यह अत्यंत आवश्यक है कि जांच उपरांत कार्य की गुणवत्ता, तकनीकी खामियों एवं उत्तरदायित्व का स्पष्ट आकलन किया जाए, ताकि जनता की गाढ़ी कमाई का सदुपयोग सुनिश्चित हो सके।

इस अवसर पर अश्वनी शर्मा ने कहा हमारी दृढ़ मान्यता है कि विकास कार्य पूर्ण पारदर्शिता और उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ हों। जनता के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं है। ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकने हेतु जिम्मेदार एजेंसियों की जवाबदेही तय होना अनिवार्य है।

जनहित की रक्षा और जवाबदेह व पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था की दिशा में की गई यह पहल निश्चित रूप से स्थानीय नागरिकों के विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

किरंदुल कॉम्प्लेक्स में सीपीआर और बेसिक लाइफसपोर्ट पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला आयोजित

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। किरंदुल कॉम्प्लेक्स में रवींद्र नारायण, अधिशासी निदेशक के कुशल निर्देशन, के.एल.नागवेणी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के मार्गदर्शन, और डॉ. एम.वी.लाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, परियोजना चिकित्सालय के नेतृत्व में बीआईओपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सभागार में स्वास्थ्य जागरूकता के तहत सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) और बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में रायपुर के सुयश हॉस्पिटल, मेडिकल एंड हेल्थ केयर इंस्टीट्यूट के डॉक्टरों और प्रशिक्षित विशेषज्ञों ने अधिकारियों, कर्मचारियों, और उनके परिजनों को आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक कौशल सिखाए। कृत्रिम मानव पुतले (Artificial Human Mannequin) के माध्यम से हृदयगति रुकने या सांस बंद होने जैसी स्थितियों में सीपीआर और बीएलएस तकनीकों का अभ्यास कराया गया। प्रतिभागियों को आपातकाल में आत्मविश्वास, परिवार व समाज की सुरक्षा, और अस्पताल पहुंचने से पहले रोगी की सहायता करने जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में सुनील कुमार, उप महाप्रबंधक (प्रशिक्षण व सुरक्षा), ए.के.सिंह, सचिव, एमएमडब्ल्यू यूनियन, रोशन मिश्रा, उपाध्यक्ष, एसकेएमएस, डॉ. रामकृष्ण कुंभकार, संयुक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एस.के.पांडे, उप महाप्रबंधक (सिविल), डॉ. मनीषा लाल, संयुक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सहित यूनियन के अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत लगातार आर्थिक महाशक्ति बनने की तरफअग्रसर: उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

दुर्ग (समय दर्शन)। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कहा है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार आर्थिक महाशक्ति बनने की तरफ अग्रसर है। आयकर में ऐतिहासिक छूट के बाद अब जीएसटी के स्लैब का सरलीकरण, इसके रेट में अभूतपूर्व सुधार करके, रेट को कम करके करके भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की तरफ हम अग्रसर हो चुके हैं। श्री शर्मा ने कहा कि यह बदलाव आम आदमी के जीवन को खुशहाल करने वाले और व्यापार उद्योग को नई गति देने वाले हैं। इससे न सिर्फ लोगों की बचत में ऐतिहासिक बढ़त होगी, बल्कि जीएसटी कानूनों के सरलीकरण से अब व्यापारी भी अधिक सुगमता के साथ अपना कार्य कर सकेंगे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू होने से पहले तक भारत में 17 प्रकार के टैक्स और 13 प्रकार के सेस लागू थे। इसके अलावा राज्य सरकारें भी मनमाने ढंग से कभी भी कोई भी कर आरोपित कर देती थी। पिछले वर्ष 12 लाख सालाना की आय पर टैक्स नहीं लागू करने का निर्णय लेने के बाद अब जीएसटी में चार स्लैब के बदले दो ही स्लैब रखने, सभी उपयोगी वस्तुओं पर कर शून्य करने और अनेक उत्पादों में कर 10 प्रतिशत तक कम कर देने से अब वास्तव में भारतीय अर्थव्यवस्था अब जनता के लिए रामराज्य लाने वाला साबित होगा। श्री शर्मा ने कहा कि नए सुधार से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्योगों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। रोजमर्रा की अनेक वस्तुएँ, ट्रैक्टर व उसके कलपुर्जे व अन्य कृषि उपकरण तथा व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा, शैक्षणिक वस्तुओं के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक व ऑटोमोबाइल उत्पादों को किफायती बनाया गया है। जीएसटी करदाता 2017 में 66.5 लाख से बढ़कर 2025 में 1.51 करोड़ हो गए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में सकल जीएसटी संग्रह 22.08 लाख करोड़ रुपये रहा, जो केवल चार वर्षों में दोगुना हो गया है। इसका लाभ वस्त्र उद्योग को, विशेष रूप से निर्यात के लिए, होगा। हस्तशिल्प की कम दरें कारीगरों की आजीविका को समर्थन देंगी, विरासत को संरक्षित करेंगी और ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगी। ऑटोमोटिव में स्पष्ट वर्गीकरण से विवाद कम होंगे तथा विनिर्माण और निर्यात में वृद्धि को समर्थन मिलेगा। नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह सुधार किसानों के जीवन में भी आर्थिकी को मजबूती प्रदान करेगा और यह किसान के लिए कम लागत के साथ सक्षम कृषि में सहायक होगी। इसके अलावा अपवाद के रूप में जहां स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले उत्पादों पर 40 प्रतिशत कर आरोपित किया गया है, वहीं बीड़ी को 18 प्रतिशत के स्लैब में ही रखा गया है। इससे भविष्य में तेंदू पत्ता संग्राहकों को काफी लाभ होगा। जनजातीय क्षेत्र में तेंदू पत्ता जैसे लघु वन्य उत्पादों की मांग अधिक बढ़ेगी, इससे प्रदेश को भी काफी लाभ होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ को आर्थिक सुधार और शानदार प्रबंधन के लिए केवल प्रोत्साहन राशि के मद में 6200 करोड़ रुपए मिले हैं। छत्तीसगढ़ की आबादी देश की जनसंख्या का दो प्रतिशत से भी कम है लेकिन इस मद में हमें 41 प्रतिशत का 3.407 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। इस वृद्धि के कारण पिछले 10-11 वर्ष में हमें एक लाख करोड़ रुपए से अधिक अतिरिक्त मिले हैं। देश को विकसित बनाने के इस यज्ञ में विपक्ष द्वारा दोहरी राजनीति करना दुखद है। विपक्ष द्वारा यह दुष्प्रचार की इसका अमेरिकन टैरिफ से कोई सम्बंध है, निहायत ही बचकाना और झूठ है। इस सुधार की शुरुआत आज से डेढ़ वर्ष पहले ही हो गई थी। जीएसटी दर में कमी से जनता की जेब में पैसा जाएगा, खरीदी क्षमता बढ़ेगी। इस मौके पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर डोमन लाल कौर्सेवाडा, भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, पुरुषोत्तम देवांगन , चिम्मन देशमुख, तेलघानी विकास बोर्ड आयोग के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, महापौर अलका बाघमार ,जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, सभापति श्याम शर्मा मीडिया प्रभारी राजा महोबिया मौजूद रहे।

आईआईएफएल फाईनेंस गोल्ड लोन करेगा आपके सपने पूरे

आईआईएफएल का मूल सिद्धांत है, ''सपना आपका, गोल्ड लोन हमारा''। अपने इसी विश्वास के साथ आईआईएफएल फाईनेंस लाखों भारतीयों का भरोसेमंद ग्रोथ पार्टनर है। नए भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली एमएसएमई की महत्वाकांक्षाओं और लोगों के सपनों को पूरा करने के उद्देश्य से आईआईएफएल फाईनेंस उन्हें सुलभ वित्तीय समाधान प्रदान करके विकास की यात्रा में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईआईएफएल फाईनेंस गोल्ड लोन एक सरल व पारदर्शी प्रक्रिया द्वारा तुरंत वित्तीय सहायता प्रदान करता है। ग्राहकों को कम से कम दस्तावेजों द्वारा उसी दिन फंड प्राप्त हो जाता है। यह लोन बहुत आकर्षक और किफायती मूल्य पर दिया जाता है। लोन की वापसी भी लोगों की व्यक्तिगत वित्तीय जरूरतों के अनुरूप बहुत सुविधाजनक तरीके से की जा सकती है।

अपने गोल्ड को गिरवी रखकर ग्राहक अपनी व्यक्तिगत, व्यवसायिक और व्यापारिक जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। वो शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए फंड प्राप्त कर सकते हैं। अपने छोटे व्यवसायों का विस्तार कर सकते हैं। इससे एमएसएमई को अपने विकास में मदद मिलती है।

श्री मनीष मयंक, बिज़नेस हेड - आईआईएफएल फाईनेंस गोल्ड लोन ने कहा कि आईआईएफएल फाईनेंस का मार्गदर्शक सिद्धांत ''सीधी बात'' है। यह अपने हर लेन-देन में पूरी पारदर्शिता रखता है। इसकी पूरी प्रक्रिया को ग्राहकों की सुविधा के अनुरूप बनाया गया है।''

भारत में आईआईएफएल फाईनेंस की 2800 से अधिक शाखाएं हैं, जो 1500 से शहरों में स्थित हैं। ये शाखाएं शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करती हैं। इस कंपनी में 80 लाख से अधिक ग्राहक विश्वास करते हैं, जो आईआईएफएल फाईनेंस की पारदर्शी प्रक्रियाओं और ग्राहक पर केंद्रित दृष्टिकोण का प्रमाण है। आईआईएफएल फाईनेंस ने शाखाओं के अपने विस्तृत नेटवर्क के अलावा एक मजबूत डिजिटल पहुँच भी स्थापित कर ली है। www.iifl.com द्वारा कंपनी ग्राहकों को गोल्ड लोन के बारे में जानने, आवेदन करने और प्रबंधन करने में सशक्त बनाती है। एक मजबूत भारत के निर्माण में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका को आईआईएफएल फाईनेंस समझता है।

छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी की संयुक्त बैठक साजा में संपन्न

सुनील वर्मा को जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी से ब्लाक अध्यक्ष का दायित्व, राज साहू युवा क्रान्ति सेना का करेंगे नेतृत्व

बेमेतरा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना साजा खड़ अध्यक्ष श्रवण कुमार साहू के नेतृत्व तथा निलेश साहू (जिलाध्यक्ष छ.क्रा.से. बेमेतरा), राजेन्द्र पटेल (जिलाध्यक्ष जे.सी.पी.), सूर्या सिंह चौहान (नगर अध्यक्ष जेसीपी बेमेतरा) ढालेन्द्र साहू (जिला मिडिया प्रभारी छ.क्रा.से.), लुकेश्वर साहू (खड़ अध्यक्ष छ.क्रा.से. बेमेतरा), कन्हैया सिन्हा (नगर अध्यक्ष देवकर छ.क्रा.से.) के आतिथ्य में मुक्तिधाम रोड, वर्मा फार्म हाऊस साजा में छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी की संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी की आरती से हुआ।

बैठक के दौरान अतिथियों द्वारा संगठन के उद्देश्य, ध्येय एवं कार्यों का वर्णन किया गया। इसके बाद संगठन विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष निलेश साहू की अनुशंसा पर खड़ अध्यक्ष श्रवण कुमार साहू (छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना, साजा) ने पदाधिकारियों की घोषणा की।छत्तीसगढ़िया युवा क्रांति सेना, साजा खड़*

अध्यक्ष ङ्क राज साहू, गाड़ाडीह
महामंत्री ङ्क त्रिलोक साहू, सोनचिरैया
सचिव ङ्क उमेश पटेल, भरदा
कोषाध्यक्ष ङ्क सुरेश साहू, भरदा
मीडिया प्रभारी ङ्क लीलाराम साहू, बरगा
कार्यकारिणी सदस्य ङ्क जागेश्वर (जग्गु) साहू, चीचगांव; सोनू यादव, राखी; अजय साहू, बरगा।छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना, साजा खड़ महामंत्री ङ्क जितेन्द्र सिंह राजपूत, देवकर उपाध्यक्ष ङ्क हेमराज यादव, राखी; जितेन्द्र पटेल, पेण्ड्रावन

सचिव ङ्क सूर्यकांत साहू, सहसपुर सह-सचिव ङ्क धर्मेन्द्र वर्मा, मुड़िया मीडिया प्रभारी ङ्क लोकेश साहू, भरदा आईटी प्रभारी ङ्क डाकवर साहू, बरगा कार्यकारिणी सदस्य ङ्क खेलावन कौशल, गाड़ाडीह; तूषार वर्मा, गाड़ाडीह।जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पटेल ने संगठन विस्तार की घोषणा की—

जिला प्रतिनिधि ङ्क वीरसिंह साहू, चीचगांव; नरसिंह जंघेल, सोहागपुर; टीकेश्वर साहू, बेलतरा

खड़ अध्यक्ष साजा: सुनील वर्मा; परपोड़ी नगर अध्यक्ष: दुर्गा प्रसाद साहू

खड़ प्रतिनिधि ङ्क बिसेन साहू, भटगांव; कमलेश साहू, भरदा; सूरज कुमार, अकलवारा।

बैठक में उपस्थित सभी वक्ताओं ने संगठन की मजबूती, जनहित में संघर्ष और छत्तीसगढ़िया अस्मिता के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प दोहराया। इस महत्वपूर्ण बैठक में अंकित साहू, संजय कुमार, ओमप्रकाश साहू, निखिल यदु, नरसिंह सिन्हा, विनय साहू, घनश्याम साहू, देवनाथ साहू, बिसौहा वर्मा, जितेन्द्र साहू, सुनील कुमार साहू, जारेश साहू, विनय मरकाम, विक्रम नेताम, खेलावन कौशल सहित सेनानी उपस्थित रहे।

खबर-खास

गरियाबंद में पुलिस जवान व नक्सली मुठभेड़ – कई नक्सली ढेर,

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ पुलिस और सुरक्षा बलों को नक्सल उन्मूलन अभियान में आज सुबह बड़ी सफलता मिली है।थाना मैनपुर क्षेत्र के मटाल इलाके के घने जंगलों में हुई भीषण मुठभेड़ में शुरुआती जानकारी के मुताबिक कई नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। सूत्रों के अनुसार, ढेर किए गए नक्सलियों में कई बड़े कैडर शामिल हैं। खास बात यह है कि यहीं पर पहले भी कुख्यात नक्सली चालपती मारा गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चल रहे इस अभियान में गरियाबंद E-30, STF, COBRA और जिला पुलिस की संयुक्त टीम तैनात की गई थी। सुबह से ही नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रही। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि मुठभेड़ स्थल से हथियार और भारी मात्रा में नक्सली सामग्री बरामद की गई है। अभी तक आधिकारिक पुष्टि का इंतज़ार है, लेकिन यह मुठभेड़ जिले में नक्सल विरोधी अभियान की बड़ी सफलता मानी जा रही है।

चोरी के मामले में आरोपी को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। 10 सितम्बर को प्रार्थी लच्छन दीवान पिता स्व0 बिसाहू राम दीवान उम्र 50 वर्ष, निवासी सिवनी ने थाना रिपोर्ट दर्ज कराया की रात्रि करीबन एक बजे ग्राम कांटाखुसरी निवासी भोजलाल नायक उसके खातु कचरा वाले कमरा के ताला को तोडकर कमरा अंदर घुसकर वहां रखे 3 एचपी सबमर्शिबल पंप को चोरी कर रहा था। उसी समय प्रार्थी को कुछ अवाज आने पर बाहर निकल कर देखा तो भोजलाल नायक उसके खातु कमरा के पास खडा था,जो प्रार्थी लच्छन को देखकर वहां से भाग गया। तब प्रार्थी ने अपने दामाद व पडोसी को उठाकर कमरा के पास जाकर देखा भोजलाल नायक कमरा में लगे ताला को तोडकर अंदर रखे सबमर्शिबल पंप को चोरी कर ले गया था। जिसकी रिपोर्ट पर थाना छुरा में चोरी के धारा के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया हैं। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी भोजलाल नायक को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर बताया की प्रार्थी के घर में लगे 3 एचपी सबमर्सिबल पंप को चोरी करना स्वीकार किय। घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल एवं लोहे के सरिया एवं एक नग राड व चोरी किया हुआ 3 एचपी सबमर्शिबल पंप को बरामद कर जप्त किया गया। आरोपी भोजलाल नायक पिता भरत राम नायक उम्र 21 वर्ष निवासी बांधपारा काटांखुसरी के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व अधिकारियों ने स्कूलों का किया औचक निरीक्षण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व सुविधाओं पर दिया जोर

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उइके के निर्देश पर जिले के सभी राजस्व अधिकारियों द्वारा गत दिवस अपने-अपने क्षेत्रों के विभिन्न शासकीय स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान राजस्व अधिकारियों ने शिक्षकों की उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन कर उनकी नियमित उपस्थिति की जांच की।उन्होंने छात्रों से बातचीत कर पढ़ाई की गुणवत्ता,पाठ्यक्रम की समझ एवं कक्षा में हो रही गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।साथ ही विद्यार्थियों से स्कूल यूनिफॉर्म एवं किताबें प्राप्त होने के संबंध में भी सवाल किए गए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्कूलों की साफ-सफाई व्यवस्था, शौचालय की स्थिति,पेयजल उपलब्धता एवं मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का भी जायजा लिया। कई स्थानों पर मध्यान्ह भोजन का स्वाद चखकर उसकी गुणवत्ता की पुष्टि की गई। बच्चों को स्वच्छता,समय पर भोजन करने और नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने प्रधानपाठक एवं शिक्षकों को विद्यालय परिसर को स्वच्छ रखने,बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देने और शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए।निरीक्षण में कुछ विद्यालयों में कमियां पाई गईं, जिन्हें सुधारने हेतु तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया। अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एनएचएम कर्मचारियों का गुस्सा 23 वें दिन जल सत्याग्रह से फूटा

आप ने बनाया है तो आप संवारोगे कब?

कवर्धा (समय दर्शन)। नियमितीकरण, ग्रेड पे सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर एनएचएम कर्मचारी पिछले 23 दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। आज एनएचएम के लगभग 350 कर्मचारियों ने धरना स्थल पर सभा के बाद एक बड़ी रैली निकाली और कवर्धा शहर के श्री राधा-कृष्ण मंदिर स्थित तालाब पहुँचकर वहां जल सत्याग्रह किया और शासन-प्रशासन तक अपनी आवाज़ बुलंद की। आंदोलन के 23 वे दिन का अनोखा प्रदर्शन पूरे शहर में चर्चा का विषय बना रहा।

कर्मचारियों ने कहा कि हम आम जनता को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराते हैं, किंतु हमें स्वयं मेडिकल अवकाश, ग्रेड पे और सामाजिक सुरक्षा तक का लाभ नहीं मिलता। लंबित 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि, चिकित्सा परिचिया, अनुकंपा नियुक्ति और अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष जारी है। वर्ष 2023 में 31 दिन के आंदोलन के दौरान मंच पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, अरुण साव, विजय शर्मा, ओपी चौधरी और केदार कश्यप उपस्थित होकर यह आश्वासन दे चुके थे कि 卐सरकार बनने के 100 दिवस के भीतर नियमितीकरण व समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। किंतु वर्तमान सरकार को बने 20 माह अर्थात 600 दिन से अधिक हो गए हैं और अब तक कर्मचारियों की मांगों पर कोई ठोस पहल नहीं हुई है। कवर्धा एनएचएम संघ के अध्यक्ष शशिकांत शर्मा, संरक्षक जेम्स जॉन प्रदीप सिंह ठाकुर, मीडिया प्रभारी विनिष जॉय ने कहा कि एनएचएम कर्मचारी सीमित संसाधनों कम वेतन सुविधा बिना सामाजिक सुरक्षा के 20 वर्षो से ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य व्यवस्था संभाल रहे हैं। कर्मचारियों की हड़ताल के कारण पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं। यदि सरकार ने अब भी लिखित आदेश जारी नहीं किया, तो आंदोलन और उग्र होगा तथा किसी भी विषम परिस्थिति की जिम्मेदारी सरकार की होगी।

आज की रैली में मुख्य रूप से शशिकांत शर्मा, प्रदीप सिंह ठाकुर, जेम्स जॉन, विनिष जॉय, डॉ मुकुंद राव, डॉ चंचला, जयंत कुमार, आनंद दास, गेमेश चौधरी, राजेश चंद्रवंशी, गरिमा दानी, पूजा केशरवानी, रोशनी शीलाता, प्रज्ञा वैद्य, मुस्कान गेंद्रे, लक्ष्मी उर्वशा, सुमिता गावरे, भावना चुरेंद्र, जग राठौर, राकेश राठौर, सौरभ कुलमित्र, योगेश्वर कश्यप, मदन सिंह, गोपाल चंद्रवंशी, मनोज जायसवाल पुरुषोत्तम कौशिक अंजिता कौशिक दुर्गेश गुप्ता, वीर सिंह साहू, राहुल पाठक, अंजिता मरकाम, ऊषा पटेल, निशा पटेल, प्रिया तंबोली, नेहा ठाकुर, सीमा तांडेकर, जोहित राम ध्रुव, सागर ध्रुव, गौरव सोनी, भाविका चंद्रवंशी, ऊषा कौशिक, होरीलाल यादव, गणेश टंडन, सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने तिरंगा झंडा और मांगों से संबंधित तख्तियाँ हाथों में लेकर नारेबाजी करते हुए तालाब में जल सत्याग्रह किया।

भाजपा ने ली प्रेस वार्ता,, जीएसटी रिफॉर्म को बताया जन कल्याणकारी

सारंगढ़ (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी सारँगढ कार्यलय में जीएसटी रिफॉर्म को लेकर प्रेसवार्ता आहूत किया गया जिसमें प्रदेश प्रवक्ता किरण बघेल ने प्रेस वार्ता में कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में भारत लगातार आर्थिक महाशक्ति बनने की तरफ अग्रसर है। आयकर में ऐतिहासिक छूट के बाद अब जीएसटी के स्लैब का सरलीकरण, इसके रेट में अभूतपूर्व सुधार करके, रेट को कम करके करके भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की तरफ हम अग्रसर हो चुके हैं। ज्ज्किरण बघेल.. ने कहा कि यह बदलाव आम आदमी के जीवन को खुशहाल करने वाले और व्यापार उद्योग को नई गति देने वाले हैं। इससे न सिर्फ लोगों की बचत में ऐतिहासिक बढ़त होगी, बल्कि जीएसटी कानूनों के सरलीकरण से अब व्यापारी भी अधिक सुगमता के साथ अपना कार्य कर सकेंगे 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू होने से पहले तक भारत में 17 प्रकार के टैक्स और 13 प्रकार के सेस लागू थे। इसके अलावा राज्य सरकारें भी मनमाने ढंग से कभी भी कोई भी कर आरोपित कर देती थी। पिछले वर्ष 12 लाख सालाना की आय पर टैक्स नहीं लागू करने का निर्णय लेने के बाद अब जीएसटी में चार स्लैब के बदले दो ही स्लैब रखने, सभी उपयोगी वस्तुओं पर कर शून्य करने और अनेक उत्पादों में कर 10 प्रतिशत तक कम कर देने से अब वास्तव में भारतीय अर्थव्यवस्था अब जनता के लिए रामराज्य लाने वाला साबित होगा। नए सुधार से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्योगों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। रोजमर्रा की अनेक वस्तुएँ, ट्रैक्टर व उसके कलपुर्जे व अन्य कृषि उपकरण तथा व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा, शैक्षणिक वस्तुओं के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक व ऑटोमोबाइल उत्पादों को किफायती बनाया गया है। जीएसटी करदाता 2017 में 66.5 लाख से बढ़कर 2025 में 1.51 करोड़ हो गए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में सकल जीएसटी संग्रह 22.08 लाख करोड़ रुपये रहा, जो केवल चार वर्षों में दोगुना हो गया है। इसका लाभ वस्त्र उद्योग को, विशेष रूप से निर्यात के लिए, होगा। हस्तशिल्प की कम दरें कारीगरों की आजीविका को समर्थन देंगी, विरासत को संरक्षित करेंगी और ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगी। ऑटोमोटिव में स्पष्ट वर्गीकरण से विवाद कम होंगे तथा विनिर्माण और निर्यात में वृद्धि को समर्थन मिलेगा। नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन मिलेगा। यह सुधार किसानों के जीवन में भी आर्थिकी को मजबूती प्रदान करेगा और यह किसान के लिए कम लागत के साथ सक्षम कृषि में सहायक होगी। इसके अलावा अपवाद के रूप में जहां स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले उत्पादों पर 40 प्रतिशत कर आरोपित किया गया है, वहीं बीड़ी को 18 प्रतिशत के स्लैब में ही रखा गया है। इससे भविष्य में तेंदू पत्ता संग्राहकों को काफी लाभ होगा। जनजातीय क्षेत्र में तेंदू पत्ता जैसे लघु वन्य उत्पादों की मांग अधिक बढ़ेगी, इससे प्रदेश को भी काफी लाभ होगा, छत्तीसगढ़ को आर्थिक सुधार और शानदार प्रबंधन के लिए केवल प्रोत्साहन राशि के मद में 6200 करोड़ रुपए मिले हैं। छत्तीसगढ़ की आबादी देश की जनसंख्या का दो प्रतिशत से भी कम है लेकिन इस मद में हमें 41 प्रतिशत का 3.407 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। इस वृद्धि के कारण पिछले 10-11 वर्ष में हमें एक लाख करोड़ रुपए से अधिक अतिरिक्त मिले हैं। देश को विकसित बनाने के इस यज्ञ में विपक्ष द्वारा दोहरी राजनीति करना दुखद है। विपक्ष द्वारा यह दुष्प्रचार की इसका अमेरिकन टैरिफसे कोई सम्बंध है, निहायत ही बचकाना और झूठ है। इस सुधार की शुरुआत आज से डेढ़ वर्ष पहले ही हो गई थी। जीएसटी दर में कमी से जनता की जेब में पैसा जाएगा, खरीदी क्षमता बढ़ेगी, देश विकसित होने की दिशा में बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एजेंडे चुनावी और राजनीतिक एजेंडे से बड़े होते हैं। वह राष्ट्र हित में बड़े-बड़े फैसले लेने की ताकत रखते हैं। कोई भी फैसला होता है तो उसमें टैक्स का बेस बढ़ता है। टैक्स का पैसा या तो सरकार की जेब में जाता है या फिर जनता की जेब में जाता है। सरकार अब अपने जेब में न लेकर जीएसटी में बदलाव करके जनता की जेब में पैसा डाल रही है। जनता की जेब में पैसा जाने से उनकी खरीदी करने की क्षमता बढ़ती है तथा जीएसटी को राहुल गांधी कभी गब्बर सिंह टैक्स बताते थे। गब्बर सिंह टैक्स प्रणाली तो वह थी जिसे कांग्रेस ने कभी सुधारने की कोशिश नहीं की। पहले टैक्स पर टैक्स लगता था। जीएसटी में एक देश एक कर प्रणाली लाने का काम किया गया। यह प्रणाली जब आज अच्छी हो गई तो इसको दूसरे रूप में रिफार्म करने का काम किया गया है। कोई भी टैक्स देने वाला कंफर्ट जोन में होना चाहिए, यह तय करना सबकी जिम्मेदारी है।इस मौके पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पाणिग्रही जिला अध्यक्ष ज्योति पटेल वेदराम जांगड़े ,इंद्रजीत गोल्डी, हरिनाथ खुंटे,अजय नायक ,अमित रिंकु तिवारी, दिनेशलाल जांगड़े , दीनानाथ खूंटे, दुर्गा ठाकुर , जय बानी, देवेंद्र राते भरत जटवार रामकुमार थूरिया चिंता साहू प्रकाश अग्रवाल सहित अन्य कई भाजपाइयों की उपस्थिति रही।

जिले में प्रथम चरण के गौधाम बनाने की प्रक्रिया में आई गति

पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा लिए जा रहे आवेदन

कलेक्टर श्री उईके ने प्रक्रिया को तेजी से पूर्ण करने के दिए निर्देश

गरियाबंद। जिले के पांच विकासखण्डों फिंगेश्वर, छुरा,गरियाबंद,मैनपुर एवं देवभोग में प्रथम चरण में गौधाम गठन हेतु 10-10 गौठानों का चयन कर वहां पर संसाधनों जैसे बाऊण्ड्रीवाल, फेंसिंग,जल एवं विद्युत आपूर्ति,बाड़ा एवं पशु शेड आदि के उपलब्धतानुक्रम में सूची राज्य गौसेवा आयोग को भेजा गया है। गौधामों के गठन की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कलेक्टर भगवान सिंह उइके द्वारा पशुधन विकास विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की विशेष बैठक लेकर डॉ.ओ.पी.तिवारी, उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें गरियाबंद को इस काम में गति लाने के निर्देश दिए गये थे। जिसके परिपालन में उनके द्वारा चयनित गौठानों की सूची छ.ग.राज्य गौसेवा आयोग भेजने के उपरांत जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय समिति का गठन कर लिया गया है।गौधाम संचालन के लिए रूचि की अभिव्यक्ति के आधार पर गौशालाओं के संचालकों को प्राथमिकता के आधार पर गौधाम संचालन का दायित्व सौंपा जाना है,इसके अलावा नॉन गवर्नमेंट ऑर्गनाइजेशन,किसान उत्पादक संगठन एवं अन्य पंजीकृत संस्थाएं तथा स्वयं सेवा समूह आदि उनके सहमति के आधार पर पात्र होंगे। गौधाम संचालन हेतु इच्छुक संस्थाओं को सहमति के अनुरूप आवेदन करने के लिए विकासखण्ड के पशु चिकित्सालयों,कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र,मुख्य ग्राम खण्ड से निर्धारित प्रपत्र प्राप्त कर आवेदन किये जाने की प्रक्रिया जारी है।इच्छुक संस्थाए इन विभागीय संस्थानों से आवेदन के प्रारूप एवं जानकारी प्राप्त कर सकते है। गौधाम संचालन हेतु प्राप्त आवेदन कलेक्टर के माध्यम से छ.ग. राज्य गौसेवा आयोग को प्रेषित किये जाएंगे,जहां से गौधामों का अंतिम चयन की प्रक्रिया अपेक्षित मापदण्डों के अनुसार किया जावेगा।उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें गरियाबंद द्वारा अवगत कराया गया है कि अभी तक गौधाम संचालन हेतु जिले में विकासखण्ड गरियाबंद से 2,विकासखण्ड देवभोग से 2 एवं विकासखण्ड मैनपुर से 3 कुल 7 आवेदन सहमति के आधार पर प्राप्त हुए है।

जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत किकिरदा में इफ्को एमसी का एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

इफ्को एमसी कंपनी के द्वारा किसानों को दिया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

बिर्रा। जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत किकिरदा के सोसाइटी प्रांगण में दिनांक 10 सितंबर दिन बुधवार को प्राथमिक सेवा सहकारी समिति मर्यादित किकिरदा पंजीयन क्रमांक 1051 के तत्वाधान में इफ्को एमसी कंपनी के द्वारा विशाल किसान संगोष्ठी सभा कार्यशाला का आयोजन रखा गया था। इस किसान संगोष्ठी कार्यशाला में प्राथमिक सेवा सहकारी समिति मर्यादित किकिरदा के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश तिवारी जी समिति प्रबंधक श्री कुशतराम राम चंद्रा जी इफ्को से श्री दिनेश गांधी स्टेट कोडिनेटर, योगेंद्र साहू जी फील्ड ऑफिसर, इफ्को एमसी से श्री विनय मणि त्रिपाठी जी जोनल अधिकारी, श्री मनीष सिंह रीजनल अधिकारी ,श्री अंकुर शर्मा जी सीनियर क्षेत्रीय अधिकारी ,श्री बृजेश सिंह क्षेत्रीय अधिकारी महासमुंद, श्री राजकुमार जी सीनियर मार्केटिंग अधिकारी, श्री ऋषभ श्रीवास मार्केटिंग अधिकारी बलौदाबाजार आदि इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। एक दिवसीय विशाल किसान संगोष्ठी सभा एवं कार्यशाला में अतिथि के रूप में वरिष्ठ नागरिक नरसिंह प्रसाद आदित्य, भगवान सिंह चंद्रा एवं देव कुमार बघेल और बनस पटेल उपस्थित थे । इस कार्यशाला कार्यक्रम के शुभारंभ में सर्वप्रथम यहां पर उपस्थित अतिथियों के द्वारा धन की देवी माता धनवंतरी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर, पूजन अर्चना करके श्रीफल तोड़कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । इस कार्यक्रम में इफ्को एमसी कंपनी के विनय मणि त्रिपाठी जोनल अधिकारी के द्वारा किसानो को दवाई के प्रति जागरूक करना और इफ्को एमसी का उद्देश्य सही दवा सही दाम के बारे में किसानों को अवगत कराया गया। वही मनीष सिंह रीजनल अधिकारी ने इफ्को एमसी की निशुल्क किसान सुरक्षा बीमा योजना के बारे में वहां पर उपस्थित किसानों को विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया । आजकल किसानों के ऊपर चल रही गंभीर समस्या खाद की किल्लत को देखते हुए इस समस्या से निजात पाने के लिए इफ्को कंपनी से आए दिनेश गांधी स्टेट कोऑर्डिनेटर एवं योगेंद्र साहू फील्ड ऑफिसर के द्वारा यूरिया खाद के बदले में नैनो यूरिया और नैनो डी ए पी अपने-अपने खेतों में डालने या छिड़काव करने के उपायों , नियम, विधि, प्रक्रिया और अंतराल के बारे में किसानों को बहुत विस्तृत रूप में जानकारी दिया गया है। इफ्को एमसी कंपनी से आए अंकुर शर्मा सीनियर क्षेत्रीय अधिकारी के द्वारा किसानों को आश्वासन दिया गया कि समय के साथ साथ इसी प्रकार के ट्रेनिंग प्रोग्राम इफ्को एमसी कंपनी के द्वारा आयोजित किए जाते रहेंगे। मौके पर ग्राम किकिरदा , कटही और करही के लगभग 200 से अधिक किसान उपस्थित थे। सेवा सहकारी समिति मर्यादित किकिरदा के संस्था प्रबंधक कुशतराम चंद्रा के द्वारा इस सभा में उपस्थित सभी किसानों भाइयों का धन्यवाद करते हुए जय जवान जय किसान के नारे के साथ एकदिवसीय किसान संगोष्ठी सभा कार्यशाला का समापन किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक नरसिंह प्रसाद आदित्य, भगवान सिंह चंद्रा, सीताराम चंद्रा, देवेंद्र आदित्य ,देव प्रसाद जायसवाल ,रामकुमार, सत्यनारायण कर्ष, संतोष, देव कुमार ,बनस पटेल, राधे ,दुकालू मांझी , रंगनाथ कश्यप, बंसी लाल देवांगन और हंसराम के अलावा भारी संख्या में वहां पर किसानगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त-खबर

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के प्रयासों से बसना को मिली 11.09 करोड़ के सड़क परियोजना की सौगात

बसना विधानसभा में विकास की रफ्तार तेज,मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का विधायक ने किया आभार व्यक्त, क्षेत्रवासियों को दी बधाई

बसना (समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र में विकास की गति को एक नई दिशा मिली है, जहां क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल की सतत सक्रियता और जनहितकारी दृष्टिकोण ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को जन्म दिया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने पिथौरा से भीखापाली, रामपुर और थरगांव को जोड़ने वाली 8.60 किलोमीटर लंबी सड़क और पुलिया निर्माण के लिए 11.09 करोड़ की राशि को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना के लिए राज्य के लोक निर्माण विभाग द्वारा विधिवत आदेश जारी कर दिए गए हैं, जिससे क्षेत्र में आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक ठोस कदम उठाया गया है। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने इस स्वीकृति को क्षेत्रवासियों के लिए एक बड़ी सौगात बताते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन विकास मंत्री अरुण साव का हृदय से आभार व्यक्त किया। विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि यह सड़क निर्माण परियोजना क्षेत्र की एक पुरानी और बहुप्रतीक्षित मांग थी, जिसे उन्होंने लगातार शासन स्तर पर उठाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए बजट में शामिल किया और प्रशासनिक मंजूरी प्रदान की, जिसके लिए वे अत्यंत आभारी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस सड़क के निर्माण से पिथौरा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बीच आवागमन सरल और तेज़ होगा, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी और नागरिकों सुविधा मिलेगा । विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने यह भी कहा कि वे भविष्य में भी बसना विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए इसी तरह प्रतिबद्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनहित और क्षेत्रीय प्रगति ही उनकी प्राथमिकता है, और वे हर संभव प्रयास करते रहेंगे ताकि बसना विधानसभा विकास की नई ऊँचाइयों को छू सके।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन, छात्राओं ने दिखाया ज्ञान का दम

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में मंगलवार को क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में शैक्षणिक जागरूकता, प्रतिस्पर्धात्मक भावना और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था।

क्विज प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की गई। पहला चरण 9 सितंबर को प्री-क्विज के रूप में हुआ, जिसमें विभिन्न संकायों से चयनित छह समूहों को फाइनल के लिए चुना गया। इनमें बीएससी के दो, तथा बीए, बी.कॉम, एमएससी और एमए के एक-एक समूह शामिल थे।

मुख्य क्विज मुकाबला 10 सितम्बर को हुआ, जिसमें बहुविकल्पीय प्रश्नों के साथ-साथ दर्शकों के लिए भी प्रश्न रखे गए। आयोजन में 200 से अधिक छात्राएं दर्शक के रूप में मौजूद रहीं, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और जोश का माहौल बना रहा।

प्रतियोगिता में बीएससी समूह-1 की यामिनी, अंजली निषाद, पुनम यादव और पूर्णेश्वरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। एमए समूह की दिव्या, यामिनी, दुर्गा और तुलसी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया, वहीं बीएससी समूह-2 की जयंतीकार मिमांसा, खुशबू और भानेश्वरी तीसरे स्थान पर रहीं।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव के मार्गदर्शन और संरक्षण में किया गया। संयोजक डॉ. निवेदिता ए. लाल ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। क्विज संचालन चंदन साहू और डॉ. मोना माखीजा ने किया, जबकि स्कोरिंग की जिम्मेदारी योगेन्द्र यादव और बीना जंघेल ने निभाई।

धनेश और उमेश पनरिया ने तकनीकी सहयोग प्रदान कर प्रतियोगिता को और भी व्यवस्थित बनाया। कार्यक्रम में श्रीमती रामकुमारी धुर्वे, श्रीमती सानवी पंजवानी, कु. स्नेहा उके सहित समस्त स्टाफउपस्थित रहा।

विजेता छात्राओं को महाविद्यालय परिवार द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने अन्य छात्राओं को भी शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. बसंत सोनबर ने किया।

यह आयोजन छात्राओं के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि महाविद्यालय के शैक्षणिक माहौल को भी और अधिक समृद्ध करने वाला सिद्ध हुआ।

स्काऊट गाईड की बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा पर चर्चा

पिथौरा(समय दर्शन)। आज स्थानीय स्काउट गाइड संघ कार्यकारिणी एवं परिषद बैठक अध्यक्ष संघ के सत्यनारायण अग्रवाल जी की अध्यक्षता एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष स्वप्निल तिवारी स्थानीय उपाध्यक्ष देवकुमारी चौधरी संजय गोयल की विशेष उपस्थिति में आयोजित की गई जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई

1 प्रशिक्षण केंद्र भवन निर्माण- बुनियादी शाला गेट के बाजू दक्षिण दिशा में बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया जिसके लिए स्थान प्रदाय हेतु बुनियादी शाला प्रबंधन समिति से प्रस्ताव पारित कर संघ को देने हेतु कहा गया

2 2 अक्टूबर2025 गांधी जयंतीट्ठ सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन अंजलि विद्यालय में किया जाएगा

3साइकिल हाईक का आयोजन पिथौरा से किया जाएगा । सम्भावित तिथि 9 अक्टूबर प्रस्तावित स्थल-भिथिडीह ,मोहदा,अध्यक्ष महोदय का फार्म हाउस

4द्वितीय/तृतीय सोपान जांच शिविर हेतु सम्भावित तिथि दिपावली पश्चात

प्रस्तावित स्थल-घोंच,सल्डिह,बरनईदादर, बम्हनी जहां से भी अधिकतम जन सहयोग प्राप्त हो।

इस अवसर पर जिला प्रशिक्षण आयुक्त संतोष कुमार साहू,जिला सह सचिव राजीव तिवारी, मीडिया प्रभारी दिलीप निषाद, ब्लॉक सह सचिव कमलेश दीवान, कोषाध्यक्ष अजय नायक, वरिष्ठ स्काउटर पूर्व बी आर सी एफए.नंद, पूर्व सचिव राम कुमार नायक, लेखराम साहू,नरेश कुमार नायक, पति राम पटेल, विजय सिन्हा, वाय.बी.सागर, चतुर्भुज राणा एवं गाइडर श्रीमती सरस्वती पटेल, सुकांति नायक, संतोषी ठाकुर, भवानी कर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक सचिव झनेश कुमार साहू ने किया।

बैठक हेतु आवश्यक व्यवस्था प्रधान पाठक, बुनियादी शाला द्वारा प्रदान किया गया ।

ग्रामीणों मे पुन:शांति एवं एकता बहाल

- ग्राम जर्रा नशामुक्ति की ओर अग्रसर

बसना (समय दर्शन)। पीड़िता के द्वारा लगाये गये सरपंच पर गंभीर आरोप के बाद पीड़िता द्वारा किये गये शिकायत का बड़ा असर सामने आया है। समाचार प्रकाशन के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है।

ग्राम पंचायत नरसिंगपुर अंतर्गत ग्राम जर्रा की आदिवासी महिला सेमबाई सिदार ने सरपंच नवलीन मांझी पर गंभीर आरोप लगाए थे।

पीड़िता का कहना है कि पंचायत बैठक में उसके खिलाफ गलत फैसला लेते हुए राशन-पानी बंद कर दिया गया और ग्रामवासियों को भी चेतावनी दी गयी है कि, यदि कोई उससे बातचीत करेगा तो उसे 10 हजार रुपए का जुर्माना देना होगा। इस फरमान पश्चात पीड़िता को सामुहिक बहिष्कार का दुख झेलना पड़ा।

आवेदन पर कार्रवाई करते हुए अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पिथौरा ने नायब तहसीलदार, पिरदा को जांच के आदेश दिए थे। जिस पर नायब तहसीलदार ललित सिंह ने पत्रकारों की उपस्थिति मे सरपंच एवं ग्रामवासियो की बैठक कर ग्रामवासियो को समझाईस देकर नशामुक्ति के लिए प्रेरित किया एवं समस्त ग्राम वासियों को संकल्पित कर ग्राम मे सौहार्दपूर्ण वातावरण मे समता एवं बंधुत्व कायम करने आपसी भाई चारा के साथ रहने अपील किया । जिससे सभी ग्राम वासी एक हुए।

उन्होंने ग्राम पंचायत के सरपंच एवं ग्रामवासियो को साफ शब्दों में समझाया कि,किसी भी व्यक्ति व परिवार को समाज या ग्राम से सामुहिक अथवा सामाजिक बहिस्कार एवं दण्डित करना अपराध है।

कोई भी व्यक्ति महिला,पुरूष अवैध शराब बनाने व बेचने जैसे गैरकानूनी कार्य न करें । ऐसा पाये जाने पर आबकारी, पुलिस व उच्चाधिकारियों को सूचित करें ताकि उन पर कार्यवाही किया जा सके।

इस दौरान नायब तहसीलदार ललित सिंह,पटवारी पुष्पेन्द्र पटेल,नरसिंहपुर सरपंच नवलीन माँझी , जगदीशपुर सरपंच मंशा नायक,रजनी बाघ,सुधीर कुँवर,पूर्व सरपंच जयंती पटेल,शत्रुघन मुटकिया,दृपलाल मलिक,पुष्पधर प्रधान,अनिता कुमारी ,लक्ष्मी मलिक, श्री लाल साहू, बसंती गहिर,अमरबाई,सेमबाई सिदार ,जयन्ती सोना एवं ग्राम के सैकड़ों माताएं बहने उपस्थित थे।

डॉ हेमंत खटकर ने स्वरचित पुस्तकों को ग्रंथालय मे किया भेंट

बसना(समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के ग्राम सुखापाली के लब्ध प्रतिष्ठित कलाकार एवं साहित्यकार डॉ. हेमंत खटखर अपनी स्वरचित कृतियों को विद्यार्थियो के शैक्षिक उन्नति हेतु पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से संबद्ध पंडित सुंदरलाल शर्मा ग्रंथागार में एक विशेष अवसर पर डॉ. हेमंत खटकर सहायक अध्यापक, अध्यापक शिक्षण संस्थान,पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने ग्रंथागार में विद्यार्थियों,शोधार्थियों की शैक्षिक उन्नति एवं ज्ञानवर्धन करने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकों को किया भेंट ।

ग्रंथालय प्रभारी डॉ. पूर्णिमा मैडम एवं ग्रंथालय प्रबंधन ने इस योगदान का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ.हेमंत खटकर का यह प्रयास विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए एक अमूल्य धरोहर साबित होगा। पुस्तक न केवल अध्ययनशील वातावरण को और समृद्ध करेगी, बल्कि नई पीढ़ी को साहित्य एवं ज्ञान की ओर प्रेरित भी करेगी।

डॉ हेमंत खटकर का उद्देश्य है कि समाज में पढ़ने की आदत को बढ़ावा मिले और अधिक से अधिक लोग ज्ञान का लाभ प्राप्त कर सकें।

उन्होंने बताया कि, आगे भी अपनी स्व लिखित पुस्तकों को छत्तीसगढ़ के विभिन्न ग्रंथालयों में भेंट करना चाहते हैं।

इस पुस्तकों के भेंट को एक प्रेरणादायी मदद मानते हुए ग्रंथालय परिवार ने डॉ हेमंत खटकर के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर सांकरा में संपन्न

- राज्य स्तरीय आवासीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर सांकरा के समापन अवसर पर बालिकाओं का सम्मान
- विधायक सरायपाली चातुरी नंद, अध्यक्ष जनपद पंचायत पिथौरा ऊषा पुरुषोत्तम धृतलहरे ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया
- सांकरा में स्वक्षता, नशा मुक्ति रैली, जागरूकता रैली निकाली गई

साँकरा (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद तथा कूड़ो एसोसिएशन महासमुंद के संयुक्त तत्वाधान में राज्य स्तरीय आवासीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का भव्य आयोजन दिनांक 07 से 11 सितम्बर 2025 तक मंडी प्रांगण सांकरा विकासखंड पिथौरा के साँकरा में आयोजित किया गया। खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद मनोज धृतलहरे ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर विभिन्न जिलों के पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षकों ने उत्साह के साथ प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए। खिलाड़ियों ने नशा मुक्ति रैली, जागरूकता रैली, स्वच्छता अभियान चलाया। विभिन्न क्षेत्रों में नशामुक्ति रैली निकाली गई जिसके माध्यम से लोगों को नशे से दूर रखने जागरूक किया गया। इसके अलावा राज्य स्तरीय आवासीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर में खेल कौशल का विकास किया गया, जिसमें कूड़ो, कराते, किक बॉक्सिंग, सेल्फ डिफेंस के विभिन्न अभ्यास कराए गए, शिविर में रुकने एवं खाने की अच्छी व्यवस्था की गई थी। बालिकाओं को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रोत्साहित कर उनको सम्मानित किया गया। कूडो एसोसिएशन महासमुंद के अध्यक्ष मीरा पंडा, सचिव उपेन्द्र प्रधान ने शिविर में 5 दिनों तक विभिन्न जिलों के प्रशिक्षकों के माध्यम से बेहतर अभ्यास कराया एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारियां की गई। आत्म रक्षा प्रशिक्षण शिविर का लाभ ले रहे बालिकाओं को समय समय पर हो रहे घटनाओं से अपनी स्वयं की रक्षा कर सकें जिसमें छत्तीसगढ़ के मार्शल आर्ट में दक्ष मास्टरों द्वारा ट्रेनिंग दिया गया। बस्तर डांस समूह, कोयतुर समूह गरियाबंद द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। विनय कुमार एवं साथी द्वारा काता, श्यामा ग्रुप कोरिया, श्रीश्याम सेवा समिति सांकरा द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी गई। मास्टर ट्रेनर रघुनाथ नेताम धमतरी, निरंजन साहू, अखिलेश आदित्य जांजगीर चांपा, आस्था तिवारी, उपेंद्र प्रधान व मीरा पंडा महासमुंद, रवीना साहू बालोद, तनुज यादव, केशव मंडावी, अश्वनी ध्रुव गरियाबंद, राकेश साहू महासमुंद, प्रमोद सहारे, तुलेश त्रिवेदी, मोहला -मानपुर, सीता बखला कोरिया, मनीष कुमार मरावी बिलासपुर, धनुर्जय चौधरी, संजीता गुप्ता रायगढ़, पिंकी नाग कोंडागांव, गूंजा धीवर सुकमा, नरेश कुमार, दीपाली, थबिर कुमार बस्तर, नीलम दमगरे राजनांदगांव आदि ने प्रशिक्षण दिया। विधायक चातुरी नंद ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार का प्रशिक्षण से सभी बालिकाओं एवं महिलाओं को बेटी बचाव, बेटी पढ़ाओ के थीम को लेकर आत्मनिर्भर बनाने एवं इस कला में दक्ष हुए एवं मानसिक एवं शारीरिक रूप से भी विकास किया गया, जिससे एक नए समाज, देश का उदय होगा। 5 दिवसीय कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विधायक सरायपाली चातुरी नंद, ऊषा पुरषोत्तम धृतलहरे जनपद पंचायत अध्यक्ष पिथौरा, जिला पंचायत सदस्य मोक्ष प्रधान, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत पिथौरा ब्रह्मानंद पटेल, जनपद सदस्य पुरुषोत्तम धृतलहरे, मंडल अध्यक्ष हितेश विशाल, मधुसूदन साहू, जनपद सदस्य भारती अग्रवाल, प्रशांत पंडा, विधायक प्रतिनिधि सोनू छाबड़ा, उद्धव खमारी, सरपंच ग्राम पंचायत सांकरा सतपाल छाबड़ा, सागर राणा, मनोज बारीक, कैलाश अग्रवाल, प्राचार्य आत्मानंद सांकरा दीपक देवांगन, सुशील प्रधान, मोतीलाल पंडा, रोहित प्रधान, लोक नाथ खूंटे, नीता साहू, भानु प्रताप चौहान, हीरालाल चौहान उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों को आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन करते हुए कहा कि इस प्रकार का आयोजन हर वर्ष होना चाहिए सांकरा में ग्रामवासियों को जागरूक किया गया। निश्चित ही इसका लाभ क्षेत्रवासियों को होगा। आयोजन को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व, महिला एवं बाल विकास विभाग, जनपद पंचायत, शिक्षा आदि का सहयोग रहा।

एनएमडीसी किरंदुल कॉम्प्लेक्स ने तृतीय चरण में 16 आदिवासी युवाओं को स्किल डेवलपमेंट के लिए हैदराबाद भेजा

सीएसआर के तहत एनएमडीसी और सिपेट का सहयोग, दंतेवाड़ा के युवाओं को मुफ्त तकनीकी प्रशिक्षण

किरंदुल। दंतेवाड़ा किरंदुल कॉम्प्लेक्स, एनएमडीसी के कार्यकारी निदेशक रवींद्र नारायण के कुशल नेतृत्व और उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के.एल. नागवेणी के मार्गदर्शन में, सीएसआर पहल के अंतर्गत सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफपेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (CIPET) के सहयोग से दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिलों के अनुसूचित जनजाति के 16 युवाओं को स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षण के लिए तृतीय चरण में हैदराबाद भेजा गया। इससे पहले परियोजना प्रबंधन द्वारा दो चरणों में युवाओं को प्रशिक्षण के लिए भेजा जा चुका है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत युवाओं को प्लास्टिक और पॉलिमर प्रौद्योगिकी में तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ ट्यूशन, प्रशिक्षण, आवास और भोजन नि:शुल्क प्रदान किया जाएगा। यह पहल आदिवासी युवाओं को उद्योग-प्रासंगिक कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पेंड्रीतराई स्कूल मे शिक्षक दिवस एवम बिदाई समारोह

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। शासकीय प्राथमिक एवम् पूर्व माध्यमिक शाला पेंड्रीतराई में आज शिक्षक दिवस और शिक्षकों का विदाई समारोह आयोजित हुआ।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत पेंड्रीतराई के सरपंच श्री मती दीपा मुपेश महिलांग,उपसरपंच श्री विजय बघेल, एसएमसी उपाध्यक्ष रोशनी खूटेल के द्वारा मां शारदे और सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन की छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधान पाठक थान सिंह चुरेंद्र ने किया।स्वतंत्रता दिवस के प्रतिभागी बच्चो को उपहार भेंट माननीय अतिथियों के कर कमलों से शाला परिवार की ओर से दिया गया। सूर्यकांत हरदेल और संतोष कुमार पात्रे शिक्षक जो युक्तिकरण से अन्यत्र शाला के लिए स्थानांतरित हुए है उनकी बिदाई शाला परिवार की ओर से सम्मान किया गया।दस वर्षो में शाला एवम् बच्चो के लिए किए गए कार्यों , पालकों,समुदाय से जुड़ाव किस प्रकार सूर्यकांत हरदेल ने किया अतिथियों और शाला परिवार ने अपना अनुभव साझा किया जो भाव विभोर कर दिया।संकुल प्राचार्य श्री रमेश कुमार ठाकुर,उपसरपंच विजय कुमार बघेल,शाला के शिक्षको,भूत

पूर्व विद्यार्थियों ,सरपंच दीपा महिलांग ने दोनो ही शिक्षको की कार्यशैली का बखान किए।सूर्यकांत हरदेल ने अपने 10 वर्षो का कार्यकाल को याद करते हुए ,शाला ,बच्ची और समुदाय से लगाव को याद करते हुए अपना अनुभव साझा किया।स्कूल के प्रति समर्पण ,शाला विकास के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख विजय बघेल उप सरपंच और प्रधान पाठक ने बताया।शिक्षक दिवस के अवसर पर बच्चो ने बिदाई देने के लिए सूर्यकांत हरदेल के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शाला के बच्चो ने अलग अलग कक्ष की सजावट किए और दोनो स्कूल के बच्चो ने केक काटकर,मस्ती करते हुए बिदाई दिए।बच्चो का प्रेम शिक्षक के लिए देखते ही बन रहा था,शिक्षक का सम्मान बच्चे ही है।तिर्की मैडम के द्वारा आभार व्यक्त किया गया।इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत पेंड्रीतराई के सरपंच श्री मती दीपा महिलांग,उपसरपंच श्री विजय बघेल, एसएमसी उपाध्यक्ष रोशनी खूटेल,संकुल प्राचार्य श्री रमेश कुमार ठाकुर,प्रधान पाठक दीप्ति किरण तिर्की,प्रधान पाठक थान सिंह चुरेंद्र,प्रधान पाठक खिलेन्द्र कुमार बघेल,नीलम शशि कुजूर, चंद्रकांत मिथलेश कुमार जायसवाल, सूर्य प्रकाश सोनकंडे,भूत पूर्व छात्रों,शाला के कर्मचारियों और स्कूली छात्रों की उपस्थिति रही,बहुत ही सुंदर कार्यक्रम का आयोजन हुआ,कार्यक्रम के लिए धन्यवाद देते हुए सीएसी सूर्यकान्त हरदेल बच्चो और शिक्षको को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए अपेक्षा किए और सबको शुभकामनाओं के साथ मंगलकामनाएं किए

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26